

प्याज 3 महीने में 82% महंगी, 30 से 54 किलो

● महाराष्ट्र-कर्नाटक से प्याज की सप्लाई में कमी आई ● कीमतें जल्द कम होने के आसार

नई दिल्ली,एजेंसी। जून-सितंबर के दौरान देश में प्याज की कीमतें तेजी से उछलीं। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून को प्याज का औसत खुदरा भाव 29.50 रुपए प्रति किलो था। 17 सितंबर को यह बढ़कर 53.78 रुपए प्रति किलो हो गया। यानी करीब साढ़े तीन महीने में ही प्याज की कीमतों में 82.3% की भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई। थोक बाजारों में तेजी और भी ज्यादा रही। 1 जून को थोक बाजार में प्याज का औसत भाव 22.60 रुपए किलो था। 10 सितंबर को यह 46.20 रु. हो गया, फिर 17 सितंबर को 45.68 रु. दर्ज किया गया। जून के मुकाबले प्याज के थोक भाव करीब दोगुने हो गए हैं। महाराष्ट्र में गर्मियों की फसल खराब होने और आवक घटने से कीमतें बढ़ी हैं। कर्नाटक से भी सप्लाई कम हुई है। नई

साल के इस समय क्यों बढ़ते हैं प्याज के दाम?

हर साल अगस्त से सितंबर के दौरान प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। इसके पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े कारण होते हैं: ● त्योहारी सीजन में मांग का बढ़ना: रक्षाबंधन, गणेश उत्सव और आगामी त्योहारों के कारण खपत बढ़ती है। ● मौसम और लॉजिस्टिक्स: बारिश की वजह से सप्लाई चेन प्रभावित होती है और मंडियों तक माल देरी से पहुंचता है। ● फसल का चक्र: पुरानी फसल का स्टॉक खत्म होने लगता है और नई खरीफ फसल आने में थोड़ा समय होता है।

खरीफ फसल की आवक में देरी से भी बाजार में प्याज की कमी बनी हुई है। हालांकि, जल्द ही कीमतें कम होने की उम्मीद है। प्याज के दाम घटाने के सरकारी कदम और असर:बफर स्टॉक से राहत: सरकार सस्ते में खरीदा प्याज जमा रखती है और दाम बढ़ते ही इसे 35 किलो जैसी सस्ती दरों पर बाजार में उतार देती है ताकि आम जनता को राहत मिले। एक्सपोर्ट पर रोक-टोक: देश में किल्लत होने पर सरकार प्याज के निर्यात पर टैक्स या रोक लगाती है, जिससे देश के अंदर प्याज की कमी न हो। आम आदमी पर असर: सरकारी प्याज से कुछ हद तक जेब पर बोझ कम होता है, लेकिन खुदरा बाजार में दाम ज्यादा होने और नीतियों के बार-बार बदलने से पूरी राहत नहीं मिल पाती।

केरलम में लैंडस्लाइड-बाढ़ से 5 मौतें

यूपी में 3 बच्चों की जान गई

ललितपुर में पुल पर पानी; गुजरात के भावनगर-राजकोट में सड़कें डूबीं

नई दिल्ली,एजेंसी। केरलम में सोमवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने पथनमथिझ, कोट्टायम, अलपुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर में यलो अलर्ट जारी किया है। इससे पहले रविवार को भारी बारिश ने इडुक्की, मलपूरम सहित कई जिलों में तबाही मचाई। लैंडस्लाइड, मडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ की अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग लापता हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में बारिश का असर अभी भी कई इलाकों में है। ललितपुर में बेतवा नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है, सीतापुर में कई छोटे पुल डूब गए हैं। गुजरात के भावनगर और राजकोट में रविवार को करीब आधे घंटे तेज बारिश में ही सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। भावनगर के महवा में साढ़े 4 इंच और राजकोट के गोंडल में साढ़े 3 इंच बारिश हुई। जूनागढ़ के गिरनार जंगल में अचानक बाढ़ आ गई। यहां आत्मेश्वर महादेव मंदिर के रास्ते में बच्चे-बूढ़े सहित 40 से ज्यादा श्रद्धालु फंस गए।

: ग्रीफ बॉक्स :

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस में प्रोफेसर सरपेंड

संस्थान ने माफी मांगी

मुंबई,एजेंसी। आईआईटी बॉम्बे ने बीटक स्टूडेंट साहिल वाकोडे की मौत मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला को डीन पद से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, संस्थान ने साहिल की मौत को लेकर पहले कही गई अपनी बातों के लिए माफी भी मांगी है। आईआईटीबॉम्बे ने कहा कि साहिल की मौत से पहले क्या हुआ था, इसकी जांच पूरी होने से पहले कुछ भी बताना सही नहीं था। 22 साल के साहिल आईआईटीबॉम्बे के एनजी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट थे। 18 सितंबर की रात वे पर्वट कैम्पस स्थित हॉस्टल के कमरे में मृत मिले थे। आईआईटी बॉम्बे ने 19 सितंबर को अपने ऑफिशियल बयान में कहा था कि घटना वाले दिन साहिल को मिड-सेमेस्टर एग्जाम में फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। संस्थान ने दावा किया था साहिल ने ChatGPT पर क्वेश्चन पेपर अपलोड करने की कोशिश की। फिर हॉस्टल जाकर उन्होंने सुसाइड कर लिया। इस साल आईआईटी बॉम्बे में सुसाइड का यह तीसरा और देश का 9वां मामला है। पिछले 6 साल के दौरान 2025 में सबसे ज्यादा 16 आईआईटी छात्रों ने सुसाइड किया था। ग्लोबल आईआईटी एलुमनाई सपोर्ट ग्रुप के मुताबिक, पिछले 20 साल में आईआईटी के कुल 160 छात्रों ने आत्महत्या की है।

पाकिस्तानी मंत्री बोले-पेट्रोल 1000 रुपए तक पहुंच सकता है

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 1000 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने रविवार को कहा कि अगर देश में पेट्रोल की कमी हुई तो कीमत और बढ़ सकती है। मंत्री के मुताबिक, पाकिस्तान में पेट्रोल अब तक करीब 50% महंगा हो चुका है। फिलहाल पेट्रोल 389 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर और डीजल 424 रुपए प्रति लीटर है। मिडिल ईस्ट में लड़ाई के चलते दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। जंग 28 फरवरी को शुरू हुई थी। इस दिन पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 258.17 रुपए थी। इसमें अब तक 131 रुपए का इजाफा हो चुका है। यह करीब 51 फीसदी है। बाइक और छोटे वाहनों को सस्पेंड दे रही सरकार: बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान सरकार ने बाइक, रिक्शा और 800 सीसी तक की कारों के लिए पेट्रोल पर सस्पेंड योजना शुरू की है।

दिल्ली में एसआईआर, 33 लाख वोटर्स को नोटिस लिस्ट में चुनाव आयुक्त का नाम भी गलत, आडवाणी-जयशंकर भी शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में SIA के तहत बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चुनाव आयुक्त एसएस संधू को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, 33.13 लाख मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म की जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस भेजे गए हैं। एक दिन पहले सीएम रेखा गुप्ता और पूर्व छरू अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस मिलने की खबर सामने आई थी। नोटिस पाने वालों को 29 अक्टूबर तक ERO के पास जवाब और जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे।

33 लाख से ज्यादा वोटर्स के फॉर्म में गड़बड़ियां मिलीं... 98 साल के लालकृष्ण आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहु गीतिका को 2002 की एसआईआर मतदाता सूची से नाम मैप नहीं होने के कारण नोटिस मिला है। उनके बेटे जयंत की मैपिंग प्रक्रिया पूरी हो गई है। चारों नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

एसआईआर का दावा-आपत्ति चरण 30 सितंबर तक चलेगा और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर, जो नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सुनहरी बाग इलाके में मतदाता हैं, को भी

दिल्ली में 10 साल की बच्ची से रेप, नोटबुक-पेन खरीदने गई थी 56 साल का आरोपी मकसूद गिरफ्तार, दुकान में हाथ-पैर बांधकर यौन शोषण किया

दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के सदर बाजार में 10 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया। घटना 16 सितंबर की रात हुई। पुलिस ने सोमवार का जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बच्ची रात करीब 11 बजे नोटबुक, पेन सहित स्टेशनरी का सामान खरीदने घर से निकली थी। आरोप है कि दुकानदार उसे बहला-फुसलाकर पास की दुकान में ले गया। वहां बच्ची का हाथ-पैर बांधकर यौन शोषण किया।

पीसीआर कॉल के बाद पुलिस ने शुरू की जांच... पुलिस ने बताया कि उन्हें 16 सितंबर की रात करीब 11 बजे नाबालिग से यौन शोषण की पीसीआर कॉल मिली थी।

रूसी संसदीय चुनाव में पुतिन समर्थक पार्टी जीती, यूक्रेन जंग के बाद पहला चुनाव

मॉस्को,एजेंसी। रूस के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की समर्थक यूनाइटेड रशिया पार्टी ने जीत हासिल कर ली है। शुरूआती नतीजों में पार्टी ने 57.5% वोट के साथ अजेय बढ़त बना ली है। चुनाव के आधिकारिक नतीजे अभी आने बाकी हैं। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। पुतिन ने चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन से जोड़कर पेश किया था। 2021 के पिछले संसदीय चुनाव में यूनाइटेड रशिया ने स्टेट ड्यूमा की 450 में से 324 सीटें जीती थीं।

यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी चुनाव से बाहर... रूस की युद्ध-विरोधी पार्टी यालोको को इस बार पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं को अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति मिली।

स्टेट ड्यूमा रूस की संसद का निचला सदन है। इसमें कुल 450 सीटें हैं। इनमें 225 सीटें पार्टी को मिले वोट के आधार पर और 225 सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में सीधे चुनाव से तय होती हैं। इसके अलावा कई सरकार विरोधी नेताओं और उम्मीदवारों को भी चुनाव

कर्नाटक के मंत्री बोले: अधिकारियों को खुशी से टिप दें ● जनता ने पूछा- सैलरी के बाद रिश्तत क्यों ● भाजपा बोली- मंत्री ही रिश्तत को सही ठहरा रहे

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री केएम शिवलिंगैगौड़ा के सरकारी अधिकारियों को 'टिप' देने वाले बयान पर विवाद हो गया। मंत्री ने कहा था कि अगर कोई अधिकारी समय पर और ईमानदारी से काम करता है, तो खुशी से सम्मान के तौर पर उसे कुछ देना गलत नहीं है। मंत्री के इस बयान पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने ही सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद विवाद और बढ़ गया। लोगों ने सर्वाल किया कि जब सरकारी कर्मचारियों को वेतन मिलता है, तो उन्हें अलग से पैसे क्यों दिए जाएं। कुछ लोगों ने इसे रिश्तत को सामान्य बनाने वाला बयान बताया और मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं, भाजपा MLC सीटी रवि ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ सरकार रिश्तत की शिकायत करने की बात कहती है जबकि उसके मंत्री ही अधिकारियों को पैसे देने की बात कर रहे हैं।

मंत्री ने सफाई में कहा- बयान का गलत मतलब निकाला... विवाद बढ़ने पर मंत्री ने कहा कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। उनका कहना था कि ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन किसी अधिकारी को लोगों से पैसे मांगने का अधिकार नहीं है। उन्होंने साफ किया कि वह रिश्तत देने या लेने का समर्थन नहीं करते।

राज ठाकरे के खिलाफ रील बनाने वाले को कालिख पोती

माफ़ी मंगवाई, सिर पर वप्पल रस्सी

पुणे,एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में राज ठाकरे पर टिप्पणी वाली रील के मामले में MNS कार्यकर्ताओं ने इन्फ्लुएंसर महेश मोटे से माफ मंगवाई। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने उनका चेहरा काली स्याही से पोता और राज ठाकरे की तस्वीर के सामने दंडवत करवाया। उनके सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक भी कराई गई। घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें वे हाथ जोड़कर राज ठाकरे, MNS और पार्टी पदाधिकारियों से बिना शर्त माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसी को लेकर पार्टी कार्यकर्ता करते हैं।

करीब 15 दिन पहले पोस्ट की थी रील: MNS के हड़पसर विधानसभा क्षेत्र के उपविभाग अध्यक्ष शुभम जगदाले ने दावा किया कि महेश मोटे ने करीब 15 दिन पहले एक वीडियो में MNS प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसी को लेकर पार्टी कार्यकर्ता

अमित शाह आज एनटीएफ प्रमुखों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्यबल (एनटीएफ) के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह लखनऊ और देहरादून में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के नए क्षेत्रीय परिसरों की वचुअली आधारशिला भी रखेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन एनसीबी की ओर से किया जा रहा है। इसमें 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एनटीएफ प्रमुखों के अलावा संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच 'संपूर्ण सरकार' के दृष्टिकोण को मजबूत करना और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के लिए एनसीबी तथा राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के एनटीएफ के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में पूरी तरह सूखी चित्रावती नदी, रेत पर ही करना पड़ा बप्पा का 'विसर्जन'



अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के पुत्तलुरु में भीषण सूखा पड़ रहा है। हालात ये हो गए हैं कि चित्रावती नदी पूरी तरह से सूख गई है, जहाँ पहले नदी बहती थी वहां आज सिर्फ रेत ही रेत देखने को मिल रही है। हालात ऐसे हैं कि लोगों के पास गणेश विसर्जन करने के लिए कोई नदी नहीं बची है। पुत्तलुरु में भीषण सूखे की हालत में एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने लोगों को दिल छू लिया। दरअसल जिस चित्रावती नदी में हर साल बप्पा का विसर्जन होता था, वहां इस पर पानी ही नहीं था। ऐसे में लोगों ने मजबूरी में बप्पा की मूर्तियों को सूखी नदी की रेत पर ही छोड़कर विदा कर दिया क्योंकि इसके अलावा उनके पास और कोई चारा नहीं था।

आंध्र प्रदेश में क्यों आई सूखे की स्थिति: आंध्र प्रदेश में आये इस सूखे के पीछे कई स्थिति मानी जा रही है। मानसून की भारी कमी इस सूखे के पीछे मुख्य कारण माना जा रहा है। इस साल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून के दौरान सामान्य से बहुत कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं अलनीनो भी इस सूखे के पीछे एक बड़ा कारण हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, 'वैश्विक जलवायु पैटर्न अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून कमजोर पड़ गया। अल नीनो के कारण भारत के दक्षिणी हिस्सों में वर्षा की अनिश्चितता बढ़ जाती है, जिससे इस क्षेत्र में सूखे जैसे हालात पैदा हो पाया। कृषि और घरेलू आवश्यकताओं के लिए बोरवेलों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण लगभग 60% बोरवेल पूरी तरह सूख गए, जिससे पानी का संकट और गहव्र गया। स्थानीय स्तर पर जलाशयों के रखरखाव और जल प्रबंधन की कमियों के कारण भी सूखे का प्रभाव ज्यादा गंभीर हो गया। सही समय पर सिंचाई और पेयजल के लिए पानी का उचित भंडारण व वितरण न हो पाने से कृषि और आम जनजीवन दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त कार्डियोलाजिस्ट डॉ. विजयाराघवन का निधन, केरलम के सीएम और मंत्रियों ने जताया शोक



तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। प्रसिद्ध कार्डियोलाजिस्ट और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. जी विजयाराघवन का रविवार को यहां निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। विजयाराघवन उन प्रमुख विशेषज्ञों में से थे जिन्होंने पिछली सदी के सातवें दशक के अंत में भारत में पहली बार 2डी इकोकार्डियोग्राफी की लैब बनाई और हृदय रोगों का निदान करने के लिए इस तकनीक का उपयोग किया। उन्होंने 1964 में तिरुअनंतपुरम मेडिकल कालेज से एमबीबीएस और 1969 में एमडी की डिग्री हासिल की थी। इसके बाद क्रिश्चियन मेडिकल कालेज, वेल्डोरो से कार्डियोलॉजी में डाक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उन्हें 2009 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और इसे स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

तेलंगाना में डिवाइडर से टकराने के बाद कार में लगी आग, ड्राइवर की जलकर मौत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में एक कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे इसमें सवार 50 वर्षीय डॉक्टर की जिंदा बचताकत मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा रविवार सुबह करीब 7.15 बजे हैदराबाद-खम्मम हाईवे पर पिल्लालामारी फ्लाईओवर के पास हुआ। सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद कार आग की लपटों में घिर गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई, लेकिन गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि बाद में ड्राइवर की सीट पर एक बुरी तरह जली हुई लाश मिली।

सीएम रेवंत रेड्डी के करीबी ने गेस्ट हाउस में बुलाया, तेलंगाना की महिला कारोबारी का गंभीर आरोप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में एक महिला व्यवसायी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी सहयोगी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हैदराबाद की आउटडोर विज्ञापन कंपनी मिथुना एड्स की प्रोपराइटर के. शोभा रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखकर यह मामला उठाया है। महिला उद्यमी के अनुसार, मुख्यमंत्री के एक करीबी व्यक्ति ने उनके विज्ञापन व्यवसाय से जुड़े एक मामले पर बातचीत करने के लिए उन्हें 'गेस्ट हाउस' में बुलाया था। शोभा रेड्डी ने बताया कि वह पिछले तीन सालों से आउटडोर विज्ञापन क्षेत्र में काम करने के लिए एक सही और वैध मौके की तलाश कर रही हैं। उन्होंने सरकार के सामने यह प्रस्ताव भी रखा था कि जब तक नियमित टेंडर नहीं निकलते, तब तक के लिए एक अस्थायी व्यवस्था के तहत राजस्व साझा करने का मौका दिया जाए।

पूरे मामले की गंभीरता से जांच की मांग: इस मामले के सामने आने के बाद



तेलंगाना की मुख्य विपक्षी पार्टी बीआरएस ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा लिया है। बीआरएस नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से इस पर तुरंत स्पष्टीकरण देने और जवाब देने की मांग की है। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार ने भी इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग उठाई है शोभा रेड्डी का

दावा है कि उनके प्रस्ताव लंबित होने के बावजूद, नोटिस और नियमों के उल्लंघन के बाद भी शहर में कई विज्ञापन ढांचे जस के तस बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में त.ह. स्टा. हथ. 68 के तहत विशेष पायलट प्रोजेक्ट और छूट भी प्रदान की गई है।

अधिकारियों को टिप देने में हर्ज नहीं, कर्नाटक मंत्री के बयान पर मचा बवाल, बीजेपी ने की माफी की मांग

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के हासन जिले के प्रभारी मंत्री के.एम. शिवलिंगेगौड़ा के एक विवादित बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। मंत्री ने एक जन-सुनवाई के दौरान कहा कि अगर नागरिक समय पर काम होने पर सरकारी अधिकारियों को खुशी-खुशी टिप या सम्मान राशि देते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मंत्री के इस बयान के बाद सियायत गरमा गई। लोगों और मुख्य विपक्षी दल बीजेपी ने इसका विरोध किया है।

मंत्री शिवलिंगेगौड़ा के बयान का विरोध: यह मामला शनिवार को आयोजित प्रजासेवा आंदोलन नामक जन-शिकायत निवारण बैठक का है। बैठक में अपनी जमीन से जुड़ी समस्या लेकर पहुंचे अल्लू तालुक के किसान पुनीत और उनके साथी युवाओं ने मंत्री के इस बयान पर तीखा ऐतराज जताया। युवाओं ने सीधे मंत्री से सवाल किया, अधिकारियों को सरकार से पूरी सैलरी मिलती है, फिर आम जनता उन्हें टिप क्यों दे क्या इससे सीधे तौर पर रिश्तखोरी को बढ़ावा नहीं मिलेगा जब अन्य ग्रामीणों ने भी किसानों का समर्थन किया, तो



कार्यक्रम में हंगामा खड़ा हो गया। स्थिति बिगड़ती देख डिप्टी कमिश्नर के.एस. लता कुमारी ने हस्तक्षेप कर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और आश्वासन दिया कि काम के बदले रिश्त व मांगने वाले अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बयान पर विवाद बढ़ने के बाद सफाई: बवाल

बढ़ता देख मंत्री शिवलिंगेगौड़ा ने अपने बयान पर सफाई पेश की। उन्होंने कहा, मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया है। मेरा कहने का मतलब यह था कि अधिकारी जबरन पैसे न वसूलें। मैंने सिर्फ ईमानदार कर्मचारियों का सम्मान करने की बात कही थी, न कि रिश्तखोरी का समर्थन किया था।

बीजेपी ने साधा निशाना, माफी की मांग: इस मुद्दे पर बीजेपी एमएलसी सी.टी. रवि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरकार और मंत्री को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 10 रुपये की रिश्त वर भी शिकायत करने की बात कहते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी ही सरकार के मंत्री सम्मानपूर्वक रिश्त व देने की वकालत कर रहे हैं। सी.टी. रवि ने तंज कसते हुए कहा कि रिश्त लेना या देना मंत्री जी के लिए स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन कर्नाटक की स्वाभिमानी जनता के लिए नहीं। बीजेपी ने मंत्री से तुरंत अपना बयान वापस लेने और राज्य की जनता से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है।

ट्रैफिक रोका, फिर चला दी गोली: ऑस्टिन में आईसीई एजेंट ने शख्स को किया घायल, सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन में रविवार दोपहर एक आईसीई एजेंट ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। घटना शहर के उत्तरी हिस्से में हुई। ऑस्टिन पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि गोली व्यक्ति के धड़ में लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। पुलिस के मुताबिक घटना एक ट्रैफिक स्टॉप के बाद हुई। ऑस्टिन पुलिस का कोई अधिकारी इस कार्रवाई या गोलीबारी में शामिल नहीं था।

घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़: गोलीबारी की खबर के बाद घटनास्थल पर करीब 100 प्रदर्शनकारी पहुंच गए। वहां बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन अधिकारी भी तैनात थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दंगा नियंत्रण ढाल लिए पुलिसकर्मियों पर नाराजगी जताई। कुछ लोग वहां से गुजर रही गाड़ियों की ओर चिल्ला रहे थे। कई वाहन चालकों ने हॉर्न बजाकर प्रदर्शन का समर्थन किया। एक व्यक्ति के हाथ में पोस्टर था, जिस पर एक तरफ और दूसरी तरफ 'आईसीई नाजी' लिखा था।

मेयर बोले- जांच में स्थानीय पुलिस भी हो: ऑस्टिन के मेयर किर्क वॉटसन ने मामले की जांच में शहर की पुलिस को शामिल करने की मांग की है।



उन्होंने कहा कि इससे जांच में स्पष्ट और तीसरे पक्ष की नजर बनी रहेगी। मेयर ने कहा कि इस मामले की जांच अकेले आईसीई के हाथ में देना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ऑस्टिन के लोगों को अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने का अधिकार है। उनके मुताबिक सही तरीके से हुई जांच मामले की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

गोली लगने वाला व्यक्ति कौन है: परिवार की ओर से पैरवी कर रही इमिग्रेशन अटॉर्नी केट लिंकन गोल्डफैंक ने घायल व्यक्ति की पहचान 28 वर्षीय वेनेजुएला निवासी विल्बर राफेल गार्सेस पेरेज के रूप में की है। वकील ने पहले कहा था कि उन्हें लगता है कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उसके खिलाफ अमेरिका से निकासन का कोई अंतिम आदेश नहीं है। हालांकि

बाद में उन्होंने एपी को बताया कि उन्हें उसकी मौजूदा इमिग्रेशन स्थिति की जानकारी नहीं है।

परिवार को अस्पताल से नहीं मिली जानकारी: वकील के मुताबिक, परिवार को अस्पताल से उसकी स्थिति या वह कहाँ है, इसकी जानकारी हासिल करने में परेशानी हुई। रात करीब सात बजे घायल व्यक्ति की पत्नी को अस्पताल के वकील ने बताया कि उसे कुछ घंटे पहले ही आईसीई की हिरासत में सौंप दिया गया था। हालांकि यह सफा नहीं है कि वह आईसीई की हिरासत में अस्पताल में ही था या उसे कहीं और ले जाया गया।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक घटनास्थल पर एक गहरे नीले रंग की टोयोटा कोरोला खड़ी थी। कार के यात्री पक्ष के दरवाजे पर नुकसान के निशान थे। वहां गोलियों के निशान जैसे निशान भी दिखाई दिए।

आईसीई ने जांच को लेकर नहीं दी जानकारी: अमेरिकी गुह सुरक्षा विभाग, जिसके अधीन आईसीई काम करता है, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुआ। विभाग ने घटना के बारे में जानकारी मांगने पर तत्काल कोई जवाब भी नहीं दिया।

ट्रंप के विजय द्वार में बनेगा सैन्य अड्डा: ड्रोन-स्नाइपर से गोला-बारूद तक का इंतजाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में अलिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास प्रस्तावित आर्च (मेहराब) को लेकर एक नई योजना सामने रखी है। ट्रंप के मुताबिक, करीब 250 फीट यानी 76 मीटर ऊंचा यह आर्च सिर्फ एक स्मारक नहीं होगा, बल्कि इसे सैन्य परिसर के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाएगा। यहां बड़ी संख्या में ड्रोन रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें तेजी से इस्तेमाल करने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा आर्च की छत और प्लाजा क्षेत्र में स्नाइपर तैनात किए जा सकेंगे। यहां बड़ा मात्रा में स्नाइपर का गोला-बारूद भी रखा जाएगा।

ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया: डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना के जोर देने पर उन्होंने आर्च को एक उच्च स्तर के सैन्य परिसर और विजय द्वार के रूप में विकसित करने की मंजूरी दी है। ट्रंप ने इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि आर्च पर ड्रोन और स्नाइपर जैसी सैन्य व्यवस्था की जरूरत किस खास खतरे को देखते हुए महसूस हुई। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि ट्रंप को पोस्ट के अलावा विभाग के पास इस बारे में फिलहाल कुछ और कहने को नहीं है।

फोर्ट मायेर और पेंटागन के बेहद करीब है जगह: प्रस्तावित आर्च अलिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास एक ट्रैफिक सर्कल में बनाया जाना है। यह फोर्ट



मायेर से करीब एक मील और पेंटागन से लगभग दो मील यानी 3.2 किलोमीटर दूर है। ट्रंप इसे अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर बनाना चाहते हैं। इसी योजना के तहत वाशिंगटन को बदलने की ट्रंप की कोशिशों की भी चर्चा हो रही है। इनमें जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स के नाम में अपना नाम जोड़ने की कोशिश भी शामिल है।

सैन्य जरूरत पर विशेषज्ञ ने उठाए सवाल: सेवानिवृत्त मरीन कर्नल और रक्षा विशेषज्ञ मार्क कैनासिन ने आर्च को सैन्य परिसर में बदलने की जरूरत पर सवाल उठाया है। उन्होंने रॉयटर्स से कहा कि यह कदम आर्च के निर्माण का समर्थन मजबूत करने के लिए जोड़ा गया लगता है। उनका कहना है कि फोर्ट मायेर पहले से ही करीब एक मील दूर है और वहां कई तरह की सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। ऐसे में आर्च पर अलग से इस तरह की व्यवस्था की जरूरत क्यों है, यह स्पष्ट नहीं है।

अगर गलती की तो होंगे दर्दनाक नतीजे: ईरान की दो टूक गालिबाफ बोले- शर्तें माने यूएस वरना होर्मुज नहीं खुलेगा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान ने कहा है कि जब तक अमेरिका तेहरान की शर्तें नहीं मानता, तब तक न तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोला जाएगा और न ही उसके साथ बातचीत पर विचार किया जाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने यह बात कही है। अल जजीरा के अनुसार, गालिबाफ ने दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका तक अपनी मांगों और शर्तें स्पष्ट रूप से पहुंचा दी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान की शर्तें पूरी नहीं होतीं, ईरानी लोगों के जरूरी अधिकारों को मान्यता नहीं मिलती और अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं करता, तब तक बातचीत के पुराने ढांचे में लौटने या होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की कोई संभावना नहीं है।

होर्मुज क्यों बना तनाव का प्रमुख केंद्र: अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के हवाले से कहा कि अगर अमेरिका ने तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और उसके हितों को निशाना बनाया जाएगा। सैन्य कमन ने कहा, 'अगर



अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तेल आपूर्ति में आगे और बाधा आने की चिंता बढ़ गई है।

क्या अमेरिकी ठिकानों पर फिर हमलों की तैयारी में ईरान: गालिबाफ के बयान के बाद ईरान की केंद्रीय सैन्य कमन ने भी अमेरिका को चेतावनी दी है। ईरान के खतम अल-ऑबिया केंद्रीय मुख्यालय ने सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के हवाले से कहा कि अगर अमेरिका ने तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और उसके हितों को निशाना बनाया जाएगा। सैन्य कमन ने कहा, 'अगर

अमेरिका इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ कोई गलती करता है, तो क्षेत्र में उसके सभी ठिकानों और हितों को बिना किसी सीमा या विचार के लगातार, प्रभावी और दर्दनाक हमलों

का निशाना बनाया जाएगा।' ईरानी सैन्य कमन ने क्षेत्र के उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अमेरिका की किसी सैन्य कार्रवाई में उसका साथ देंगे। ईरान ने कहा कि ऐसे देशों को

कार्रवाई में भागीदार माना जाएगा और ईरानी सेना की ओर से उनके खिलाफ किसी संयम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

अमेरिका ने 109 वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदला

इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसकी सेनाओं ने ईरान पर लगाए गए नौसैनिक नाकाबंदी को लागू करने की कोशिशों के तहत 109 वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदला है। अमेरिकी सेना ने 14 जुलाई को ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू करने की कार्रवाई फिर शुरू की थी।

ट्रंप ने ईरान को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अपना रुख नहीं बदलने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। हालांकि, उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि वह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजिश्कियान से बातचीत के लिए तैयार हो सकते हैं। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रजाई ने इससे पहले कहा था कि कतर की मध्यस्थता के जरिए तेहरान ने संघर्ष खत्म करने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका तक पहुंचाई हैं। इनमें सभी मोर्चों पर संघर्ष रोकना, ईरान के जब्त किए गए धन को जारी करना और अमेरिकी नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

अमेरिका-ईरान तनाव से कैसे बिगड़े पश्चिम एशिया में हालात

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव ऐसे समय बढ़ा है जब क्षेत्र में अस्थिरता भी बढ़ रही है। हाल में हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं। इसके बाद अमेरिका ने पश्चिम एशिया के कई देशों में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। इसमें तेजी से स्थिति बिगड़ने, उड़ानों में बाधा आने और अमेरिकी हितों पर हमले की आशंका का जिक्र किया गया है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए दुनिया के नेता इस समय न्यूयॉर्क में जुट रहे हैं। ऐसे में अमेरिका-ईरान टकराव और पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख चिंता के मुद्दे बने हुए हैं।

महुआ से समृद्धि की ओर बढ़ेंगी सीधी की दीदियां

बस्तर में 21 महिला समूह सदस्य सीखेंगी महुआ उत्पादों का मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग और विपणन की आधुनिक तकनीक



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्थानीय महुआ को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को मजबूत करने की दिशा में सीधी जिले की 21 महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों को महुआ आधारित

उत्पादों के निर्माण की आधुनिक तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा वित्तपोषित तथा इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईएलआरटी), सीधी के

तकनीकी सहयोग से सीधी एवं मझौली विकासखंड की महिला समूह सदस्यों को शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण के लिए जगदलपुर, बस्तर रवाना किया गया प्रशिक्षण के दौरान महिलाएं बस्तर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में महुआ से तैयार

किए जाने वाले उन्नत एवं मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण की आधुनिक तकनीक का व्यावहारिक प्रशिक्षण लेंगी इसमें महुआ के बेहतर उपयोग के साथ उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने, मूल्य संवर्धन, आकर्षक पैकेजिंग तथा प्रभावी विपणन की बारीकियों की जानकारी दी जाएगी इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध महुआ को केवल पारंपरिक वन उपज के रूप में उपयोग करने के बजाय उससे गुणवत्तापूर्ण और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने के लिए महिला समूहों को सक्षम बनाना प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को उत्पाद निर्माण से लेकर पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच बनाने की प्रक्रिया की जानकारी मिलेगी। इससे महिला समूहों के लिए आय के नए अवसर विकसित होने के साथ उनकी आजीविका को और मजबूत

करने में मदद मिलेगी।
विधायक ने हरी झंडी दिखाकर वाहन रवाना किया: धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने हरी झंडी दिखाकर महिला समूह सदस्यों के शैक्षणिक भ्रमण वाहन को जगदलपुर के लिए रवाना किया इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय संसाधनों पर आधारित महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली पहल की सराहना की उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण और शैक्षणिक भ्रमण ग्रामीण महिलाओं को नई तकनीक, बेहतर उत्पादन प्रणाली और बाजार से जुड़ने के अवसर प्रदान करते हैं उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर महिला समूह अपनी आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं महुआ जैसे स्थानीय उत्पादों को बाजार की मांग के

अनुरूप तैयार करने और उनकी बेहतर पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग से उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध करया जा सकता है। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी मझौली आकाश अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य कृष्ण लाल पयासी, प्रवीण तिवारी, सरपंच खंडा अखिलेश शर्मा, आईएफसी शारदा केवट, तहसीलदार दिलीप सिंह, महिमा उत्पादक समूह की अध्यक्ष मंजू सिंह बघेल, बीईओ शैलेंद्र सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश पांडे, एसबीईपी उज्ज्वल मिश्रा, आजाद बहादुर सिंह, अखंड तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित स्थलों पर ही करें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 14 सितंबर से शुरू गणेश उत्सव का समापन 25 सितंबर को गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ होगा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रतिमा विसर्जन के लिए निर्धारित स्थल तय किए हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने नागरिकों से निर्धारित स्थलों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करने और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है थाना कोतवाली सीधी अंतर्गत देवघटा शिव मंदिर के पास सोन नदी गउघाट, गोरियरा बांध एवं पिंपुरोहर, थाना जमोड़ी अंतर्गत पड़री घाट गोपद नदी, थाना बहरी अंतर्गत सोन नदी मरसरहा घाट, थाना चुरहट अंतर्गत सोन नदी कोल्दहा घाट, थाना कमर्जी अंतर्गत सोन नदी गाथघाट तथा थाना अमिलिया अंतर्गत खड़बुआ घाट, बमुरी सोन नदी घाट, व्योहार घाट एवं रामनगर घाट

निर्धारित किए गए हैं इसी प्रकार थाना रामपुर नैकिन अंतर्गत सोन नदी भवरसेन घाट, खैरा घाट एवं उमरिहा नदी, थाना सेमरिया अंतर्गत हनुमान मंदिर चौराहा, थाना मझौली अंतर्गत कठबंगला घाट बनास नदी, थाना मड़वास अंतर्गत गोपद नदी, सतपरा मंदिर के पास तालाब एवं श्री कालिका माता मंदिर तालाब पथरौला, थाना कुसमी अंतर्गत लकोड़ा घाट, गोपद नदी घाट एवं हरचोखा नदी तथा थाना भुइमाड़ अंतर्गत गोपद नदी घाट एवं सोनगढ़ को विसर्जन स्थल बताया गया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी विसर्जन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। घाटों पर होमगार्ड के तैराक, नाव के साथ बचाव उपकरण, रस्सा, टॉर्च, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, लाइफ जैकेट, बैरिकेडिंग, टेंट, लाइडस्पीकर, चेतावनी बोर्ड, केन एवं वायरलेस संचार व्यवस्था के साथ पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने योजनाओं और अभियानों की प्रगति की समीक्षा की सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों, आगामी कार्यक्रमों तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र

हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी गतिविधियां आयोजित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा उन्होंने अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने और जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

कृषि महोत्सव: कलेक्टर ने बताया कि 23 सितंबर को शासकीय कन्या महाविद्यालय में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में प्रस्तावित है उन्होंने कृषि एवं संबंधित विभागों को शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए साथ ही किसानों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम को उपयोगी और लाभप्रद बनाने पर जोर दिया इसी दिन भुईमाड़ में आयुर्वेद मेला भी आयोजित होगा, जिसके लिए आयुष, स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग को आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए।

25 सितंबर को कुसमी में जन विश्वास शिविर: मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अगला जिलास्तरीय शिविर 25 सितंबर को कुसमी में आयोजित होगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में वृहद स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा कलेक्टर ने संबंधित विभागों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए स्वाभिव्य योजना के तहत अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन तथा वनाधिकार एवं सामुदायिक दावों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने को भी कहा गया।

1 अक्टूबर से पुराने बस स्टैंड से बस संचालन बंद: बस स्टैंड शिफ्टिंग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि 1 अक्टूबर से पुराने बस स्टैंड से बसों का संचालन नहीं होगा उन्होंने नई व्यवस्था से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए श्रमिकों की सुविधा के लिए लालता चौक के स्थान पर पुराने

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए: मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के लिए विशेष अभियान चलाकर प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील: डॉ. जैन ने गौशाला संचालकों एवं पशुपालकों से पशुओं की स्वच्छता और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील की है उन्होंने कहा कि लंपी रोग के प्रसार को रोकने के लिए पशु आवास और उसके आसपास साफ-सफाई बनाए रखना बेहद जरूरी है मक्खी, मच्छर एवं टिक नियंत्रण के लिए नियमित रूप से आवश्यक उपाय किए जाएं। उन्होंने गौशाला परिसर में

हर्षलाल शुक्ला, सत्यनारायण तिवारी कक्का, प्रदीप अवस्थी सहित मंडल अध्यक्ष और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे इस दौरान तरुण तिवारी, अशोक पटेल, अभिषेक साकेत, संजु रजक, अविनीश तिवारी, सहायत खान, नीरज सेन, विपिन मिश्रा, जयप्रकाश श्रीवास्तव, बोदाबाग से आशिम अंसारी, सुरेश वर्मा और अजहरुद्दीन अजु सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, स्थानीय कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे सभी ने एक साथ बैठकर छात्रों के गूँज कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। आयोजन के दौरान युवाओं और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के बीच संवाद का वातावरण बना आयोजकों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों और युवाओं को संगठन से जुड़कर अपने विचार एवं समस्याएं साझा करने के लिए मंच उपलब्ध कराने में सहायक होंगे।

विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने सामुदायिक सहभागिता पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिले के शासकीय हाईस्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के लिए सामुदायिक सहभागिता अभियान चलाया जाएगा अभियान के माध्यम से विद्यालय, पालक और स्थानीय समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया जाएगा जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने सभी शासकीय हाईस्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि विद्यालय से अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों एवं उनके पालकों से घर-घर संपर्क किया जाए पालकों को बच्चों की

नियमित उपस्थिति के महत्व की जानकारी देते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाएगा एपीसी रमसा डॉ. सुजीत मिश्रा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से विद्यार्थियों की उपस्थिति में सुधार लाने के साथ विद्यालय और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है इसके तहत विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं शिक्षा के महत्व को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे विद्यालय की उपलब्धियों और गतिविधियों की जानकारी सोशल मीडिया तथा अन्य डिजिटल माध्यमों से साझा की जाएगी साथ ही पालकों से नियमित संवाद स्थापित किया जाएगा।

सीधी की गौशालाओं में लंपी रोग की स्थिति नियंत्रण में,विभागीय टीमें लगातार कर रहीं निरीक्षण, संक्रमित पशु मिलने पर तत्काल अलग कर कराया जाएगा टीकाकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की गौशालाओं में वर्तमान में लंपी रोग की स्थिति नियंत्रण में है और किसी गौशाला में लंपी रोग की समस्या नहीं है पशुओं को रोग से सुरक्षित रखने के लिए विभाग द्वारा आवश्यक टीके के उपलब्धता सुनिश्चित की गई है पशु चिकित्सा विभाग की टीमें लगातार गौशालाओं का निरीक्षण कर पशुओं के स्वास्थ्य और वहां की व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही हैं उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. वंदना जैन ने बताया कि जिले की गौशालाओं में वर्तमान में लंपी रोग का कोई प्रकरण सामने नहीं आया है रोग से बचाव के लिए आवश्यक टीका उपलब्ध है विभागीय अमले द्वारा नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि पशुओं के स्वास्थ्य की स्थिति पर नजर रखने



के साथ स्वच्छता और अन्य आवश्यक सके उन्होंने बताया कि यदि किसी गौशाला अथवा क्षेत्र में लंपी रोग से

संक्रमित पशु की सूचना प्राप्त होती है, तो संक्रमित पशु को तत्काल अन्य पशुओं से अलग किया जाएगा इसके साथ ही संक्रमण के संभावित प्रसार को रोकने के लिए आसपास के क्षेत्र में पशुओं का टीकाकरण कराया जाएगा विभाग द्वारा ऐसी स्थिति में आवश्यक रोकथाम एवं उपचार की कार्रवाई भी तत्काल सुनिश्चित की जाएगी।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील: डॉ. जैन ने गौशाला संचालकों एवं पशुपालकों से पशुओं की स्वच्छता और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील की है उन्होंने कहा कि लंपी रोग के प्रसार को रोकने के लिए पशु आवास और उसके आसपास साफ-सफाई बनाए रखना बेहद जरूरी है मक्खी, मच्छर एवं टिक नियंत्रण के लिए नियमित रूप से आवश्यक उपाय किए जाएं। उन्होंने गौशाला परिसर में

लक्षण दिखने पर तत्काल दें सूचना: उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने पशुपालकों से अपील की है कि पशुओं में लंपी रोग से संबंधित कोई असामान्य लक्षण दिखाई देने पर उसे नजरअंदाज न करें ऐसी स्थिति में तत्काल निकटतम पशु चिकित्सा केंद्र अथवा विभागीय अमले को सूचना दें, ताकि प्रभावित पशु की समय पर जांच कर आवश्यक रोकथाम एवं उपचार की कार्रवाई की जा सके।

नशामुक्त युवा, नशामुक्त भारत का दिया संदेश

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक, दिलाई नशामुक्ति की शपथ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत माई भारत के तत्वावधान में नशामुक्त युवा, नशामुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया इस दौरान युवाओं को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है उन्होंने नशे के कारण होने वाली गंभीर



बीमारियों तथा इसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया मध्यप्रदेश जन

अभियान परिषद के जिला समन्वयक मुकेश गौर ने नशे से उद्वेगन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ इसके सामाजिक और आर्थिक

दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। कन्या महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. राजेश साहू ने युवाओं को नशे से दूर रहने के साथ स्वस्थ पारिवारिक एवं आर्थिक जीवन

के महत्व के बारे में बताया।
नशामुक्ति की दिलाई शपथ: ब्रह्माकुमारी बहन अर्चना ने उपस्थित युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इसके बाद योग एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया महिला थाना प्रभारी वर्षा यादव ने नशे के कारण होने वाले अपराधों और अन्य सामाजिक समस्याओं की जानकारी दी उन्होंने युवाओं को नशे से जुड़े कानूनी पहलुओं से अवगत कराते हुए ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की बात कही।

नुककड़ नाटक से दिया जागरूकता संदेश: कार्यक्रम में युवाओं द्वारा यूथ सेमिनार और नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया गया नाटक के माध्यम से नशे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं तथा इसके विभिन्न दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर युवाओं को जागरूक किया गया सामाजिक न्याय विभाग के सेवानिवृत्त गायक कलाकार सुरेंद्र शुक्ला ने स्वागत गीत के साथ नशामुक्ति पर आधारित गीत प्रस्तुत किए कार्यक्रम में माई भारत के अधिकारी-कर्मचारी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद सहायक के ब्लॉक समन्वयक अनिल पाठक, संजय गांधी महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. आर.एस. भारती, युवा नेता शिवम शुक्ला, वरुणेंद्र पांडे, सौरभ मिश्रा, जन अभियान परिषद सीधी के परामर्शदाता अजीत कुमार वर्मा, विनय तिवारी, अमित गौतम, पूजा पांडे, अश्विनी पटेल, राखी उपाध्याय सहित सीएमसीएलडीपी के एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व सांकेतिक दिवस पर 24 सितंबर को होगा कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व सांकेतिक दिवस के अवसर पर जिले के मूक-बधिर एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन 24 सितंबर 2026 को किया जाएगा कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से जनपद पंचायत सभागार, सीधी में आयोजित होगा पूर्व में यह कार्यक्रम 25 सितंबर को प्रस्तावित था जिसे अब संशोधित कर 24 सितंबर कर दिया गया है उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत मूक-बधिर एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों द्वारा प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता रैली निकाली जाएगी रैली अस्पताल चौक एवं सम्राट चौक मार्ग से होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचेगी। रैली के माध्यम से दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनकी सामाजिक भागीदारी और सांकेतिक भाषा के महत्व को लेकर जागरूकता का संदेश दिया जाएगा रैली के जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचने के बाद जनपद पंचायत सभागार में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे विभाग द्वारा जिले के मूक-बधिर एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है विभाग ने संबंधित दिव्यांगजनों से निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने का आग्रह किया है ताकि विश्व सांकेतिक दिवस के आयोजन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सियासत में संवाद की जगह फूहड़ता क्यों

भारतीय राजनीति किस तरह फूहड़ होती जा रही है, इसका ताजा प्रमाण है इंदौर में छात्रों की गूँज कार्यक्रम में राहुल गांधी की ओर से मंच पर एक कॉमेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री का उपहास उड़ाना। इस दौरान प्रधानमंत्री की ओर से एक जनसभा में एक बुजुर्ग महिला को कुर्सी उपलब्ध कराने के प्रसंग का जिस तरह जिक्र किया गया, उसे मुख़्तता और संवेदनहीनता के अतिरिक्त और कुछ कहना कठिन है।आखिर एक सहज मानवीय व्यवहार का मजाक बनाने

का क्या औचित्य? ऐसा तो कोई छिछली सोच वाला व्यक्ति ही कर सकता है। यह आश्चर्यजनक है कि छात्रों को संबोधित करते समय राहुल गांधी को अपने मंच पर एक कॉमेडियन के भोंड़े कृत्य का सहारा लेना पड़ा। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि इस भोंड़पन में उन्होंने भी हिस्सेदारी की। आखिर ऐसा करके वे छात्रों और युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं? ऐसा तो है नहीं कि छात्र यही देखना-सुनना चाहते हैं? यह सही है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे की

नीतियों की आलोचना करते हुए उन पर कटाक्ष भी करते हैं, लेकिन इसकी भी अपनी एक सीमा अथवा उनके द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति अमर्यादित भाषा का उपयोग किया गया हो। वे रह-रहकर ऐसा करते ही रहते हैं। इस क्रम में वे प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करते। भले ही इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम में जो फूहड़ता हुई, उसका कांग्रेस नेता बचाव करने में जुट गए हैं, लेकिन

उन्हें यह आभास होना चाहिए कि आम जनता इस तरह की फूहड़ता कभी पसंद नहीं करती। राहुल गांधी को इसका भी आभास होना चाहिए कि जब उनके द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति अशालीनता का प्रदर्शन किया जाता है तो पार्टी के अन्य छोटे-बड़े नेता और अधिक खराब भाषा का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। इन दिनों कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया टीम की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति लगातार ऐसी सामग्री शेयर की जा रही है, जिसे रूचिपूर्ण

आस्था के रंग में सजा गणेशोत्सव का भव्य संसार

कटिताला मांडेत

देशभर में गणेशोत्सव पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र में इस पर्व की छटा देखते ही बन रही है। मुंबई से लेकर जालना, पुणे और प्रदेश के अन्य शहरों तक गणपति पंडालों में उमड़ रही भीड़ आस्था की गहराई के साथ बदलते समय की रचनात्मकता को भी सामने ला रही है। गणेशोत्सव अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामूहिक उत्साह का बड़ा पर्व बन चुका है। मुंबई का लालबागचा राजा इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस वर्ष लालबागचा राजा गणेशोत्सव 14 सितंबर से 25 सितंबर तक मनाया जा रहा है।

लालबागचा राजा के दर्शन के लिए आम श्रद्धालुओं के साथ फिल्म जगत और सार्वजनिक जीवन से जुड़े अनेक लोग भी पहुंचे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह, शिल्पा शेठ्टी, किक्क शारदा, मनोज जोशी और सयाजी शिंदे सहित कई कलाकारों ने गणपति के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शिल्पा शेठ्टी परिवार के साथ गणपति उत्सव में शामिल हुईं, जबकि रणवीर सिंह भी लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचे। गणेशोत्सव की विशेषता यह है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई देती है। उद्योग जगत से गौतम सिंघानिया जैसे लोग भी लालबागचा राजा के दर्शन कर चुके हैं। क्रिकेट जगत में सूर्यकुमार यादव ने परिवार के साथ दर्शन किए और अपनी आस्था से जुड़े अनुभव साझा किए।

मुंबई में गणपति उत्सव के दौरान अंबानी परिवार ने भी अपने निवास पर गणेशोत्सव मनाया। नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट सहित परिवार के सदस्यों ने उत्सव में भाग लिया। अभिनेता शहररुख खान भी अंबानी परिवार के गणपति समारोह में शामिल हुए। विसर्जन के अवसर पर भी मुंबई में फिल्म और उद्योग जगत से जुड़े अनेक लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ दिखाई दिए।

भक्ति के साथ भव्यता और रचनात्मकता का संगम गणेशोत्सव की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण पंडालों और प्रतिमाओं में दिखाई देने वाली रचनात्मकता भी है। महाराष्ट्र के जालना में श्री अनोखा गणेश मंडल ने 108 किलो चांदी से बनी तथा सोने की परत से सजी गणेश प्रतिमा स्थापित की है। इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई गई है। प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मुंबई के जीएम्बी सेवा मंडल की गणेश प्रतिमा भी सोने-चांदी की भव्य सजावट के कारण आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष वहां प्रतिमा को 66 किलो सोने और 335 किलो चांदी के आभूषणों से सजाया गया है। भव्यता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी गणेशोत्सव में दिखाई दे रहा है। हैदराबाद में राम सेतु की थीम पर 14.5 फीट ऊंची पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा बनाई गई है। महाराष्ट्र के वाशिम में सुपारी, सौंफ और पान में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा तैयार की गई। विजयवाड़ा में हजारों टॉफियों, जेली केंडी, चॉकलेट और रंग-बिरंगे लॉलीपॉप से गणेश प्रतिमा बनाकर युवाओं ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय दिया। सूरत में गणेशोत्सव के दौरान विश्व कप और क्रिकेट की थीम पर तैयार पंडाल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। पंडाल को छोटे क्रिकेट स्टेडियम का रूप दिया गया, जिसमें पिच, फ्लडलाइट और विकेट जैसी सजावट की गई। जबलपुर में गणपति को राजस्थानी राजाओं के रूप में सजाकर ऊंट पर विराजमान किया गया। कहीं धार्मिक कथाओं को पंडाल का आधार बनाया गया तो कहीं सामाजिक संदेशों को गणपति उत्सव से जोड़ा गया। यह विविधता बताती है कि परंपरा के साथ नई पीढ़ी अपनी कल्पना भी जोड़ रही है। गणेशोत्सव में श्रद्धालुओं की भेंट और दान भी आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लालबागचा राजा मंडल में दानपात्र खोले जाने पर सोने-चांदी के आभूषण, हीरे की ज्वेलरी और डॉलर की मालाएं जैसी भेंट सामने आईं। 19 सितंबर तक शुरूआती पांच दिनों में मंडल को 3.1 करोड़ रुपये नकद, 1.12 किलोग्राम सोना और 19.75 किलोग्राम चांदी प्राप्त होने की जानकारी सामने आई है।

नई पीढ़ी के उत्साह से मजबूत होती परंपरा गणेशोत्सव की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इसमें युवाओं की भागीदारी लगातार दिखाई दे रही है। पंडालों की सजावट से लेकर सामाजिक कार्यक्रमों और विसर्जन यात्राओं तक युवा बह-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सऊदी अरब का तेल उत्पादन फरवरी के लगभग 10.9मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर अगस्त में 6.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया था, यानी करीब 4.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गिरावट और तीन दशक से अधिक समय का न्यूनतम स्तर।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गौदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यही कारण है कि अब सवाल केवल यह नहीं है कि सऊदी बनाम हूती में कौन सैन्य रूप से मजबूत है, बल्कि यह है कि यदि तेल उत्पादन, निर्यात और समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहे तो विश्व अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी ऊर्जा चुनौती का सामना करेगी। इस पूरे संकट में 15 सितंबर 2026 को मक्का के निकट झेन इंटरसेप्शन ने राजनीतिक और धार्मिक संवेदनशीलता को और बढ़ा दिया। सऊदी नेतृत्व के अनुसार उसकी वायु रक्षा ने मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को उस समय नष्ट किया जब वह पवित्र शहर के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाया था। सऊदी पक्ष ने इसे बेहद गंभीर मामला बताते हुए मक्का और दोनों पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा को रेड लाइन बताया। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट रखना जरूरी है।[हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से साफ इनकार किया और कहा कि उनके हमलों का लक्ष्य सऊदी तेल प्रतिष्ठान और सैन्य ठिकाने हैं। इसलिए मक्का को जानबूझकर निशाना बनाया गया था या नहीं, यह दोनों पक्षों के परस्पर विरोधी दावों के बीच विवादित है। भारत ने भी बाद में सऊदी क्षेत्र और मक्का के निकट कथित हमले की निंदा की।

साथियों, अब सवाल है कि सऊदी अरब जैसी विशाल सैन्य क्षमता वाला देश हूतियों से परेशान क्यों है? इसका उत्तर पारंपरिक सेना की संख्या में नहीं, बल्कि युद्ध की प्रकृति में छिपा है।सऊदी अरब के पास आधुनिक लड़ाकू विमान,मिसाइल डिफेंस और विशाल रक्षा बजट है, लेकिन हूती कम लागत वाले ड्रोन,मिसाइल, मोबाइल लॉन्चर,असममित युद्ध रणनीति और कठिन यमनी भूगोल का इस्तेमाल करते हैं।यहां एक महंगे इंटरसेप्टर से एक अपेक्षाकृत सस्ते ड्रोन या मिसाइल को रोकना आर्थिक रूप से भी भारी पड़ सकता है। इसके अलावा हूती विरोधी यमनी गुटों में विभाजन और हाल के वर्षों में क्षेत्रीय समर्थन के कमजोर पड़ने ने जमीन पर उनकी चुनौती बढ़ाई है। मीडिया के अनुसार जब भी अमेरिकी, सऊदी और अन्य सहयोगी सैन्य कार्रवाई के बावजूद हूतियों ने अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमता तथा संगठनात्मक ताकत बनाए रखी है।इसीलिए सऊदी बनाम हूती, कौन कितना ताकतवर? का सीधा उत्तर देना ध्रामक होगा। पारंपरिक वायुसेना,रक्षा प्रणालियों और आर्थिक संसाधनों में सऊदी अरब और हूती बराबर नहीं हैं; लेकिन हूतियों की ताकत उनकी कम लागत वाली असममित युद्ध क्षमता,मिसाइल-द्रोण भंडार, स्थानीय नेटवर्क, कठिन भूगोल और समुद्री चेकपॉइंट तक पहुंच में है। हाल के दिनों में हूतियों ने लाल सागर के यमनी तट पर तेजी से बढ़त बनाई और बाब-अल-मदेब के आसपास रणनीतिक स्थिति मजबूत की है। इसी कारण एक अपेक्षाकृत छोटा गैर-राज्य सैन्य संगठन दुनिया की ऊर्जा वित्तिका को प्रभावित करने की क्षमता हासिल कर रहा है।

साथियों, सबसे बड़ा आर्थिक खतरा तेल है।सऊदी



अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन प्रतिदिन लगभग 4 मिलियन बैरल, यानी वैश्विक आपूर्ति के करीब 4 प्रतिशत, को लाल सागर के यानबू बंदरगाह तक पहुंचाने की क्षमता रखती है। सितंबर में इस पाइपलाइन के बंद होने से यानबू में उपलब्ध निर्यात योग्य स्टॉक केवल करीब पांच से सात दिनों के लिए होने की रिपोर्ट आई थी। रित्स ने यह भी बताया कि यदि पाइपलाइन शीघ्र चालू नहीं हुई तो वैश्विक बाजार से लगभग 4 प्रतिशत तेल आपूर्ति अस्थायी रूप से हट सकती है। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कुछ तेल को अपने पूर्वी तट के रास्ते भेजकर आपूर्ति संकट का दबाव कम किया, जिसके कारण तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई। इसलिए दुनिया में तुरंत तेल खत्म हो जाएगा कहना सही नहीं होगा, लेकिन लंबे व्यवधान की स्थिति में तेल बाजार में भारी सप्लाई शॉक पैदा होने का जोखिम वास्तविक है।

साथियों, 20 सितंबर को रिव्बार होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में नया सामान्य कारोबारी सेटलमेंट नहीं हुआ। उपलब्ध अंतिम शुक्रवार के आंकड़े के अनुसार ब्रेन्ट क्रूड करीब 104.87 प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई करीब 100.30 प्रति बैरल पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान ब्रेन्ट 108- सऊदी बनाम हूती :छोटी ताकत ने कैसे हिला दी दुनियाँ की तेल व्यवस्था? -मिसाइलों से तेल तक मचा महासंकट ट्रंप,चीन और भारत के सामने चुनौतीपूर्ण अग्निपरीक्षा ? -समग्र व्यापक विश्लेषण 109 के आसपास भी पहुंचा था। इसलिए फिलहाल कीमत 100 के ऊपर बनी हुई है और आगे की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि सऊदी पाइपलाइन कितनी तेजी से बहाल होती है, लाल सागर में हमले कितने बढ़ते हैं और होर्मुज की स्थिति क्या रहती है।इसका भारत पर सीधा असर पड़ सकता है क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। महंगा ब्रेन्ट मतलब भारतीय रिफाइनरों के लिए महंगा कच्चा माल;लंबे समय तक कीमते ऊंची रहने पर रुपये पर दबाव, आयात बिल में वृद्धि, चालू खाते पर असर, परिवहन लागत और अंततः पेट्रोल- डीजल से लेकर माल ढुलाई तथा

कई वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि इसका असर तुरंत पेट्रोल पंप पर समान अनुपात में दिखाई देना जरूरी नहीं है, क्योंकि घेरलू ईंधन कीमतों में कर, विपणन मार्जिन, विनिमय दर और सरकारी नीतियाँ भी महत्वपूर्ण होती हैं। 20 सितंबर को भारत में खुदरा पेट्रोल-डीजल दरें अधिकांश प्रमुख शहरों में स्थिर थीं, जबकि ब्रेन्ट 104 के नीचे सटीकता से कारोबार कर रहा था।

साथियों, अब आता है अमेरिका का सवाल,सऊदी का दोस्त होने के बावजूद सीधे युद्ध में क्यों नहीं उतर रहा? रिपोर्टों के अनुसार सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हूतियों के खिलाफ प्रत्यक्ष अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन वॉशिंग्टन ने सीधे हमले की अनुमति नहीं दी और इसके बजाय सऊदी को खुफिया जानकारी तथा टारगेटिंग असिस्टेंस देने पर सहमति जताई। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि अमेरिका पहले से ईरान के साथ बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में उलझा है; हूतियों के खिलाफ नया प्रत्यक्ष मोर्चा खोलना संघर्ष को और फैलाने का जोखिम बढ़ा सकता है।यहां अमेरिका ने सऊदी सुरक्षा संबंध समाप्त नहीं किए हैं, बल्कि प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप और सहयोग के दूसरे स्तर के बीच अंतर रखा है।दिलचस्प बात यह है कि इसी बीच अमेरिका ने सऊदी अरब के लिए 48 एफ -35 लड़ाकू विमानों और 49 ड्रनों समेत लगभग 24.3 अरब की संभावित बिक्री को मंजूरी दी है। लेकिन यह अंतिम डिलीवरी नहीं है,प्रस्ताव को अमेरिकी कांग्रेस की प्रक्रिया से गुजरना होगा और विमानों की वास्तविक आपूर्ति में वर्षों लग सकते हैं। इसलिए इसे वर्तमान हूती हमलों का तत्काल सैन्य समाधान समझना सही नहीं होगा; यह दीर्घकालीन सऊदी-अमेरिकी रक्षा संबंध और सऊदी सैन्य आधुनिकीकरण से जुड़ा कदम है।

साथियों, जब अमेरिका प्रत्यक्ष युद्ध से दूरी रख रहा है तो सऊदी को चीन की जरूरत क्यों पड़ी? रित्स के अनुसार सऊदी अपील के बाद चीन ने निजी तौर पर ईरान से हूतियों पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उन्हें नियंत्रित करने में मदद

करने को कहा। यह जानकारी तीन ईरानी सूत्रों के हवाले से सामने आई। चीन की चिंता केवल सऊदी नहीं है, उसका बड़ा आर्थिक हित लाल सागर, बाब-अल-मदेब और मध्य-पूर्व की ऊर्जा आपूर्ति में है। चीन सार्वजनिक रूप से संयम और सुरक्षित नौवहन की अपील कर चुका है तथा 2023 में चीन ने ही सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंध सुधारने में मध्यस्थ भूमिका निभाई थी। इसलिए बीजिंग की भूमिका इस संकट में सैन्य नहीं बल्कि राजनयिक और आर्थिक लेवरेज की है।इसी संदर्भ में पाकिस्तान और तुर्की का सवाल भी महत्वपूर्ण है। सितंबर में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की से जुड़ा एक त्रिपक्षीय मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट सामने आया,जिसमें एक सदस्य पर हमला सभी के लिए गंभीर सुरक्षा मामला माना गया। तुर्की के विदेश मंत्री ने कहा कि अकारा सऊदी की तकनीकी सैन्य जरूरतों में मदद के लिए तैयार है, जबकि पाकिस्तान ने अपनी प्रतिबद्धता जताई लेकिन तत्काल प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई नहीं की। इसलिए यह कहना कि पाकिस्तान या तुर्की मदद नहीं कर रह, पूरी तरह सटीक नहीं होगा; फिलहाल उपलब्ध जानकारी प्रत्यक्ष युद्ध में प्रवेश के बजाय रक्षा-सहयोग और संभावित सहायता की ओर संकेत करती है।

साथियों अंत में बाब-अल- मदेब को समझना इस पूरे संकट की चाबी है।यह लाल सागर को अदन की खाड़ी और आगे हिंद महासागर से जोड़ने वाला लगभग 20 मील चौड़ा रणनीतिक समुद्री मार्ग है। इसके उत्तर में स्वेज नहर है, जिससे एशिया और यूरोप के बीच व्यापार जुड़ता है। सीएफआर के अनुसार लाल सागर क्षेत्र से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 15-17 प्रतिशत गुजरता है और स्वेज नहर अकेले विश्व व्यापार के करीब 10-12 प्रतिशत का मार्ग है।यदि हूती गतिविधियाँ लंबे समय तक इस रास्ते को असुरक्षित करती हैं तो जहाजों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते मोड़ना पड़ सकता है,जिससे यात्रा समय, ईंधन और बीमा लागत बढ़ती है तथा वैश्विक वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ता है।

अतः अगर हम अग्रोच पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 20 सितंबर 2026 की स्थिति को केवल सऊदी बनाम हूती युद्ध कहना अधूरा होगा।यह अब तेल उत्पादन, पाइपलाइन, लाल सागर, बाब-अल- मदेब, होर्मुज, अमेरिका की सैन्य नीति, चीन की कूटनीति,ईरान के प्रभाव, पाकिस्तान- तुर्की की सुरक्षा भूमिका और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा बहुस्तरीय संकट है।भारत ने इस पर स्पष्ट रूप से कहा है कि सऊदी क्षेत्र में नागरिक और आर्थिक ठिकानों पर हमले तथा बाब-अल-मदेब में नौवहन की स्थितंत्रता को खतरा अस्वीकार्य है और जल्द शांति व स्थिरता बहाल होनी चाहिए।अब असली परीक्षा यह होगी कि सऊदी की तेल आपूर्ति कितनी जल्दी सामान्य होती है, हूती लाल सागर में अपनी बढ़त को कितना आगे ले जाते हैं, ईरान चीन की अपील पर कितना प्रभाव डालता है और अमेरिका प्रत्यक्ष सैन्यहस्तक्षेप से दूरी कितने समय तक बनाए रखता है।फिलहाल सबसे बड़ा जोखिम यही है कि यदि लाल सागर और होर्मुज दोनों लंबे समय तक बाधित रहे, तो तेल की समस्या केवल कीमत बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वैश्विक व्यापार, महंगाई और ऊर्जा सुरक्षा की व्यापक चुनौती बन सकती है।

अब इटली से उठी बुरका-हिजाब प्रतिबंध की आवाज !

इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी द्वारा देश के स्कूलों में बुरका-हिजाब पर प्रतिबंध लगाने और हर कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने की घोषणा ने एक बार फिर वैश्विक पटल पर बुरका-हिजाब ला दिया है। वस्तुतः विश्व के कई देशों की सरकारों ने यह पाया है कि कैसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक पहचान के बीच इस्लाम से जुड़ी ये दो आदत आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था जैसे हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, सरकारी बैंक और संवेदनशील इमारतें सीसीटीवी और फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी (वेहदा पहचानने वाली तकनीक) पर भारी पड़ रही हैं।

डॉ. मयंक वतुवदी बुरका और हिजाब से चेहरा पूरी तरह ढक जाने के कारण किसी व्यक्ति की पहचान सत्यापित करना असंभव हो जाता है। श्रीलंका और कई अफ्रीकी देशों ने पाया है कि चरमपंथी और आत्मघाती हमलावर अपनी पहचान छिपाने और हथियारों की तस्करी के लिए बुरके का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण सुरक्षा के लिहाज से कानून प्रवर्तन एजेंसियां सार्वजनिक स्थानों पर हर नागरिक का चेहरा खुला रखना अनिवार्य मानती हैं। इसके अलावा, पश्चिमी देश, विशेषकर यूरोपीय राष्ट्र, एक बहुसांस्कृतिक समाज में प्रवासियों के पूरी तरह घुलने-मिलने पर जोर देते हैं। वैसे भी इसानी बातचीत और सामाजिक जुड़ाव में चेहरे के हाव-भाव सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं। चेहरा ढके होने से बातचीत में एक अधोषित दीवार खड़ी हो जाती है, जो प्रवासियों को स्थानीय नागरिकों से अलग करती है।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के अनुसार, सच्चे एकीकरण का मतलब यह है कि प्रवासी देश की भाषा सीखें और वहां के सामाजिक ताने-बाने का सम्मान करें। बुरके को एक ऐसे सांस्कृतिक अलगाव के प्रतीक के रूप में देखा जाता है जो किसी समुदाय को मुख्यधारा

के समाज में शामिल होने से रोकता है। यूरोप के देश फ्रांस में 'लाइसीते' (कट्टर धर्मनिरपेक्षता) का सिद्धांत लागू है, जिसके तहत सरकारी स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों



पर किसी भी प्रकार के प्रमुख धार्मिक प्रतीकों (चाहे वह बड़ा ईसाई क्रॉस हो, यहूदी टोपी हो, या मुस्लिम हिजाब/बुरका हो) के प्रदर्शन पर रोक है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक क्षेत्र पूरी तरह से तटस्थ रहे। साथ ही, उदारवादी और नारीवादी विचारकों का एक बड़ा

वर्ग बुरके और नकाब को पितृसत्तात्मक दमन का प्रतीक मानता है। सरकार का तर्क है कि बहुत सी युवा लड़कियां और महिलाओं को उनके परिवारों या

पर बुरका और नकाब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने वाला पहला यूरोपीय देश बना था। इसके तुरंत बाद बेलेंजियम ने भी यही राह चुनी।

स्विट्जरलैंड ने एक जनवरी 2025 से पूरे देश के सार्वजनिक स्थानों पर इसे प्रतिबंधित किया है, जबकि पुर्तगाल की संसद ने अगस्त 2026 में इस पर अपनी मुहर लगाई है। इसके अलावा ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, बुल्गारिया और नीदरलैंड जैसे देशों में भी आंशिक प्रतिबंध लागू हैं। सिर्फ यूरोपीय देश ही नहीं, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे मुस्लिम बहुल देशों ने भी मजहबी कट्टरपंथ पर लगाम लगाने और अपनी मूल धर्मनिरपेक्ष संस्कृति की रक्षा के लिए स्कूलों और सरावजनिक स्थानों पर हिजाब और बुरके पर कड़े नियम तय किए गए हैं।

यहां एक ओर बात ध्यान देने योग्य है कि शोध संस्था 'फोर्डाजियोन आईएसएमयू' के आंकड़ों से यह बात निकलकर सामने आई है कि इटली के स्कूलों में कुल नामांकित छात्रों में से लगभग 11.6 फीसद छात्र ऐसे हैं जिनके पास इटली की नागरिकता नहीं है, यानी हर 100 में से लगभग 12 छात्र विदेशी मूल के हैं। इस जनसांख्यिकीय बदलाव को देखते हुए, मेलोनी सरकार स्कूलों में चेहरा ढकने पर रोक लगा रही है ताकि समानता दिखे, और प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों का कोटा तय कर रही है। स्थानीय

इतालवी बच्चे अल्पसंख्यक महसूस न करें और प्रवासी बच्चे तेजी से इतालवी भाषा व संस्कृति सीख सकें। इस तरह से इस पूरे प्रकरण को गहराई से देखने पर यह बात साफ तौर पर पता चलती है कि इटली एवं अन्य यूरोपीय देश प्रवासियों को अपने समाज में शामिल करने के लिए भविष्य में ओर अधिक सख्त और कानूनी रूप से बाध्यकारी नीतियां अपनाएंगे, जिसमें पहनावे से लेकर भाषा सीखने तक की शर्तें शामिल होंगी। फिलहाल इटली इस निर्णय को अपने हित में देख रहा है। पीएम जॉर्जिया मेलोनी बुरका और हिजाब मामले में निर्णय लेने को लेकर सख्त नजर आ रहे हैं।

दूसरी ओर भारत जैसे देश हैं, जहां बरका और हिजाब को लेकर सामुदायिक पहचान को इतना अधिक तूल दिया जा रहा है कि समानता के स्तर पर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों तक में विवाद खड़े किए जा रहे हैं, जिसमें कि हस्तक्षेप के लिए कानून और संविधान की दुहाई देते हुए न्यायालय में बार-बार प्रकरणों को लेकर जाया जा रहा है! कहने को भारत में इस्लाम को मान्यतावाले अल्पसंख्यक कहलाते हैं, किंतु ये अल्पसंख्यक आज उन तमाम इस्लामिक देशों से भी कुछ सीखना नहीं चाहते, जहां ये बहुसंख्यक होने के बाद भी अपने इस्लामिक रिपब्लिक में सुरक्षा एवं अन्य कारणों के चलते हिजाब एवं बुरका पर पूरी तरह बान लगा हुआ है !

हाईकोर्ट का फैसला: पत्नी को साथ रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकते

दहेज और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोर्ट ने कहा- केवल पत्नी को वापस लाने का प्रयास पर्याप्त नहीं

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पत्नी को साथ रहने का निर्देश देने की मांग को लेकर दायर पति की अपील खारिज कर दी है। जस्टिस पीपी साहू और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डिवीजन बेंच ने फैमिली कोर्ट जशपुर के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि केवल पति का पत्नी को वापस लाने के लिए मायके जाना या कानूनी नोटिस भेजना यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि पत्नी बिना उचित कारण के पति से अलग रह रही है जशपुर निवासी प्रवीण कुमार यादव की शादी प्रियंका से फरवरी 2022 में हुई थी अक्टूबर में पत्नी की मां की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर पति उसे मायके छोड़कर आया था बाद में वह पत्नी को वापस लेने गया, लेकिन उसने साथ जाने से इनकार कर दिया पति के अनुसार वह 31 अक्टूबर, 7 नवंबर और 11 नवंबर को भी पत्नी को लेने मायके गया। 24 नवंबर को उसके माता-पिता भी पत्नी को वापस लाने पहुंचे,



लेकिन वह नहीं आई। पति ने एसडीओ पथलगांव के समक्ष भी आवेदन दिया, जिसे 31 मार्च 2023 को खारिज कर दिया गया। इसके बाद कानूनी नोटिस भेजकर वैवाहिक जीवन दोबारा शुरू करने

की मांग की गई पत्नी ने लगाए दहेज और प्रताड़ना के आरोप पत्नी ने पति के दावे का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग शुरू कर दी थी। उसके

अनुसार मायके से दी गई स्विफ्ट कार को ससुराल पक्ष ने कम कीमत की बताते हुए क्रेड कार और 5 लाख रुपए नकद की मांग की पत्नी ने मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के आरोप भी लगाए।

उसने यह भी आरोप लगाया कि फरवरी 2022 में पति और उसके परिवार की प्रताड़ना के कारण उसका गर्भपात हुआ। इस संबंध में सखी सेंट्र जशपुर सहित अन्य स्थानों पर शिकायत किए जाने

और घरेलू हिंसा से संबंधित कार्यवाही शुरू होने की बात भी रिकॉर्ड में सामने आई कोर्ट ने परिस्थितियों को एक साथ देखने पर दिया फैसला हाईकोर्ट ने कहा कि मामले में केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि पत्नी पति से अलग रह रही है यह भी देखना जरूरी है कि अलग रहने के पीछे क्या कारण हैं और क्या उसके पास ऐसा करने का उचित आधार है डिवीजन बेंच ने दहेज की मांग, मारपीट, प्रताड़ना, गर्भपात से जुड़े आरोपों शिकायतों और घरेलू हिंसा की कार्यवाही सहित रिकॉर्ड पर मौजूद परिस्थितियों पर विचार किया कोर्ट ने माना कि इन परिस्थितियों को देखते हुए पत्नी के पास अलग रहने का उचित आधार था हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि पति द्वारा पत्नी को वापस लाने के प्रयास किए जाने मात्र से पत्नी का साथ लौटने से इनकार करना अनुचित साबित नहीं होता फैमिली कोर्ट के आदेश में कोई गंभीर टुट नहीं पाते हुए हाईकोर्ट ने पति की अपील खारिज कर दी।

कच्चे मकान की चिंता खत्म, पीएम जनमन से राम को मिला पक्का आशियाना

बैगापारा निवासी राम के परिवार में खुशी, बोले- सुरक्षित घर मिलने से बड़ी चिंता दूर हुई



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी बैगा जनजाति के राम के परिवार को प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के तहत पक्का आवास मिला है पक्का घर मिलने से परिवार की वर्षों पुरानी चिंता दूर हुई और घर में खुशी का माहौल है राम बताते हैं कि उनका परिवार पहले कच्चे मकान में रहता था मकान की मजबूती और सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी बारिश के दिनों में कच्चे घर की स्थिति खराब होने से परिवार को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी सीमित संसाधनों के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना भी संभव नहीं था ऐसे में पीएम जनमन योजना के तहत मिला आवास परिवार के लिए बड़ी राहत बनकर आया अब परिवार के पास मजबूत और सुरक्षित छत है मौसम की प्रतिकूल

परिस्थितियों के दौरान भी परिवार पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित महसूस कर रहा है राम के लिए नया आवास केवल मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थायित्व का आधार है वे कहते हैं पहले कच्चे मकान में रहने के कारण बहुत परेशानी होती थी अब पीएम जनमन योजना से पक्का मकान मिल गया है हमारा परिवार बहुत खुश है सुरक्षित घर मिलने से बड़ी चिंता दूर हुई है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूं पीएम जनमन के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के परिवारों को आवास सहित पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य शिक्षा और आजीविका जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है सेवा संकल्प अभियान में सामने आई राम की कहानी भी इसी बदलाव की तस्वीर है जहां कच्चे मकान की चिंता पीछे छूट गई है और पक्की छत के नीचे परिवार सुरक्षित भविष्य के उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा है।

PM-JANMAN से उमरवाह में साकार हुआ सर्वसुविधायुक्त आंगनबाड़ी केंद्र 11.69 लाख रुपये की लागत से बने केंद्र से PVTG समुदाय के बच्चों और माताओं को मिल रही पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा की सुविधा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। किसी गांव के बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधायुक्त भवन, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की सुविधा से कहीं बढ़कर उनके बेहतर भविष्य की नींव होता है ग्राम उमरवाह में PM-JANMAN के तहत निर्मित नया आंगनबाड़ी केंद्र इसी बदलाव की तस्वीर पेश कर रहा है 11.69 लाख रुपये की लागत से तैयार इस केंद्र के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (ऋजुजल) समुदाय के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और शिशुवती माताओं



को अब बेहतर वातावरण में पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की सुविधाएं मिल रही हैं यह बदलाव केवल एक भवन के निर्माण की कहानी नहीं, बल्कि सेवा संकल्प के माध्यम से जनजातीय समुदाय तक बुनियादी सुविधाओं को पहुंचाने और आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य की

नींव मजबूत करने की कहानी है जरूरत थी सुरक्षित जगह की, मिला सुविधाओं से भरा केंद्र ग्राम उमरवाह, ग्राम पंचायत उमरवाह में निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र को प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत स्वीकृत किया गया था। इसके निर्माण के लिए आदेश

क्रमांक 358 दिनांक 25 जून 2024 जारी किया गया था। निर्माण पूर्ण होने के बाद केंद्र में आंगनबाड़ी की विभिन्न सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। नवीन भवन मिलने से बच्चों को अब सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में सीखने तथा पोषण संबंधी सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। वहीं महिलाओं और माताओं को भी आवश्यक सेवाओं से जुड़ने का बेहतर अवसर मिल रहा है आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों और शिशुवती माताओं को पूरक पोषण एवं पीष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक पहुंची समरिया की जिंदगी पीएम जनमन योजना से बैगा परिवार को मिला सुरक्षित घर, बोलीं- अब मौसम की चिंता नहीं



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय परिवारों के जीवन में बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी बैगा जनजाति की समरिया के परिवार को पीएम जनमन के तहत पक्का आवास मिला है। पक्की छत मिलने से परिवार को सुरक्षित और

सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत का अवसर मिला है समरिया का परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था बारिश के मौसम में मकान की स्थिति खराब होने और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ता था सीमित आर्थिक संसाधनों के चलते स्वयं पक्का मकान बनाना भी संभव नहीं था ऐसे समय में योजना के तहत मिला पक्का आवास परिवार के लिए बड़ी राहत बनकर आया नया आवास मिलने के बाद परिवार को बारिश और अन्य मौसम संबंधी परेशानियों से सुरक्षा मिली है मजबूत छत और बेहतर आवासीय सुविधा से परिवार के दैनिक जीवन में भी बदलाव आया है समरिया के लिए यह मकान केवल रहने की

जगह नहीं बल्कि सुरक्षित भविष्य और स्थायित्व का आधार बन गया है समरिया ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पहले कच्चे मकान में काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब पक्का घर मिलने से परिवार सुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने आवास की सुविधा मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया पीएम जनमन के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के परिवारों को आवास के साथ पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं सेवा संकल्प अभियान के दौरान सामने आ रही समरिया की कहानी योजना के जमीनी लाभ और बदलती जिंदगी की तस्वीर प्रस्तुत करती है।

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में एक सप्ताह से आराम कर रहे छह हाथी सोमवार को फिर से अपने काम पर लौट गए 14 सितंबर से आयोजित सात दिवसीय हाथी महोत्सव का रविवार को कामती रेंज के कोर क्षेत्र स्थित खैर कैंप में समापन हुआ महोत्सव के दौरान हाथियों से गश्ती और जंगल सफारी से जुड़ा कोई काम नहीं लिया गया उन्हें पूरी तरह आराम देने के साथ उनकी देखभाल और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया समापन समारोह में मुख्य वन संरक्षक महोत्सव के दौरान सभी छह हाथियों को उनकी पसंद का भोजन कराया गया प्रतिदिन सुबह उन्हें नहलाया गया और तेल से मालिश की गई। नियमित



देखभाल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और महोत्सव के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी ली पसंदीदा भोजन के साथ हुई विशेष देखभाल हाथी महोत्सव के दौरान सभी छह हाथियों को उनकी पसंद का भोजन कराया गया प्रतिदिन सुबह उन्हें नहलाया गया और तेल से मालिश की गई। नियमित

स्वास्थ्य जांच के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की निगरानी भी की गई। छुट्टी के दौरान हाथियों को काम से पूरी तरह मुक्त रखा गया, जिससे उन्हें शारीरिक आराम मिल सके वन विभाग के अनुसार हाथी जंगल की गश्ती और अन्य वन प्रबंधन गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके

स्वास्थ्य और देखभाल को प्राथमिकता दी गई महावत और हाथियों को किया सम्मानित हाथियों की देखभाल, सेवा और वन्यप्राणी संरक्षण में योगदान देने वाले महावतों और चाराकर्तों को समापन अवसर पर प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सीसीएफ, डीएफओ और डिप्टी डायरेक्टर ने उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए महावतों और चाराकर्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उनका जीवन बीमा भी कराया गया अधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना की सात दिवसीय हाथी महोत्सव का समापन हाथियों की बेहतर देखभाल कर्मचारियों के सम्मान और वन्यजीव संरक्षण के संदेश के साथ हुआ सोमवार से सभी छह हाथी फिर से निर्धारित वन कार्यों में जुट गए।

सूरज की ऊर्जा से रोशन हुआ बहरासी का विद्यालय परिसर, सोलर हाईमास्ट से अंधेरे से मिली निजात सौर ऊर्जा से जगमगाया बहरासी विद्यालय, 5.38 लाख की लागत से सोलर हाईमास्ट से मिली नई रोशनी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब शिक्षा संस्थाओं में भी दिखाई देने लगा है इसी क्रम में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से विकासखंड भरतपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहरासी में 5.38 लाख रुपये की लागत से सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किया गया है इस पहल से विद्यालय परिसर रात के समय भी प्रकाश से जगमगा रहा है और निवाधियों तथा शिक्षकों को अंधेरे से निजात मिली है शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहरासी जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र में स्थित



इस विद्यालय में रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यालय परिसर अंधेरे में डूब जाता था जिला प्रशासन के प्रयासों से क्रियान्वयन एजेंसी क्रेड के माध्यम से यहां सोलर हाईमास्ट संयंत्र

स्थापित किया गया यह संयंत्र सौर ऊर्जा से संचालित होता है जिससे विद्यालय परिसर में प्रकाश की स्थायी और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था सुनिश्चित हुई है सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित होने के बाद विद्यालय परिसर

में पूरी रात निर्बाध रूप से प्रकाश उपलब्ध हो रहा है संयंत्र से विद्यालय परिसर के साथ-साथ आसपास के लगभग 50 मीटर क्षेत्र में भी रोशनी पहुंच रही है इससे विद्यालय में रात्रिकालीन समय में अंधेरे की समस्या दूर हुई है सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था होने के कारण बिजली पर निर्भरता कम हुई है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह एक उपयोगी पहल साबित हो रही है विद्यालय के अध्यापकों के अनुसार पहले रात के समय विद्यालय परिसर में अंधेरा रहने के कारण असुविधा होती थी हाई मास्ट की स्थापना के बाद पूरा परिसर रोशन रहता है इससे विद्यालय में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है तथा आसपास के क्षेत्र को भी प्रकाश के लाभ मिल रहा है सोलर हाई मास्ट संयंत्र ने बहरासी विद्यालय के लिए केवल प्रकाश की

सुविधा ही नहीं बढ़ाई, बल्कि विद्यालय परिसर को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है रात में विद्यालय परिसर और आसपास का क्षेत्र रोशन रहने से अंधेरे के कारण होने वाली असुविधा कम हुई है विद्यालय के अध्यापकों ने इस सुविधा के लिए जिला प्रशासन, एमसीबी की पहल और क्रेड विभाग के माध्यम से किए गए कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया दूरस्थ क्षेत्र में स्थित विद्यालय में डीएमएफ मद की राशि का उपयोग कर सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था स्थापित करना विकास कार्यों के प्रभावी उपयोग का उदाहरण है। यह पहल शिक्षा संस्थाओं में सौर ऊर्जा के विस्तार के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

सुविधा ही नहीं बढ़ाई, बल्कि विद्यालय परिसर को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है रात में विद्यालय परिसर और आसपास का क्षेत्र रोशन रहने से अंधेरे के कारण होने वाली असुविधा कम हुई है विद्यालय के अध्यापकों ने इस सुविधा के लिए जिला प्रशासन, एमसीबी की पहल और क्रेड विभाग के माध्यम से किए गए कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया दूरस्थ क्षेत्र में स्थित विद्यालय में डीएमएफ मद की राशि का उपयोग कर सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था स्थापित करना विकास कार्यों के प्रभावी उपयोग का उदाहरण है। यह पहल शिक्षा संस्थाओं में सौर ऊर्जा के विस्तार के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

सिंध नदी में डूबे 15 साल के किशोर का शव 24 घंटे बाद मिला

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। सुवाया थाना क्षेत्र में सिंध नदी में डूबे 15 वर्षीय किशोर का शव सोमवार को करीब 24 घंटे बाद बरगमद कर लिया गया एसडीईआरएफ और होमगार्ड की टीम ने घटनास्थल से लगभग 500 मीटर दूर शव को खोज निकला पुलिस ने शव बरगमद कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है ग्राम डबिया निवासी दिनेश (15) पुत्र स्व. प्रकाश आदिवासी रविवार दोपहर करीब 1 बजे दोस्तों के साथ सिंध नदी में नहा रहा था इसी दौरान नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और तेज बहाव की चपेट में आने से वह डूब गया उसे डूबता देख एक ग्रामीण ने बचाने के लिए नदी में छलांग लगाई लेकिन वह किशोर को नहीं बचा सका घटना की सूचना रविवार शाम करीब 5:45 बजे सुवाया थाना पुलिस को मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर नदी के आसपास तलाश शुरू की, लेकिन किशोर का पता नहीं चल सका बांध



के चार गेट खोलने से बड़ बहावउमरी क्षेत्र मेंहुई बारिश केबाद सिंध नदी का जलस्तर तेजी सेबढ़ था इसका असर मंडीखेड़ स्थित अटल सागर बांध पर भी पड़ जलस्तर बढ़ने के कारण बांध के चार गेट खोलकर पानी छोड़ गया, जिससे नदी का बहाव और तेज हो गया 500 मीटर दूर मिला शव सोमवार को एसडीईआरएफ और होमगार्ड की टीम ने रक्षय अभियान शुरू किया करीब 24 घंटे की तलाश केबाद घटनास्थल से लगभग 500 मीटर दूर दिनेश का शव मिला रक्षय टीम मेंएसडीईआरएफप्रभारी अफनक सहित मुकेश, युंजय, वैदेद, रवि बिलवार, भैय्या साहब और कप्तान सेन समेत अन्य सदस्य शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

सागर में 2 दिन से बारिश, खेतों में फसलें खराब

मक्का-उड़द के खेत में पानी भरने से नुकसान, सोयाबीन पर भी असर



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले में बारिश के सीजन की विदाई के दौर में झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। पिछले दो दिनों से जिले के अलग-अलग हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। 19 और 20 सितंबर को सागर समेत रहली और देवरी ब्लॉक में तेज बारिश हुई। हवाओं के साथ हुई बारिश से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है। हवा के असर से मक्का की फसल खेतों में आड़ी हो गई। वहीं, खेतों में पानी जमा होने से उड़द की फसल को नुकसान हुआ है। सोयाबीन के पत्ते भी पीले पड़ने लगे हैं। किसानों के बीच पीला मोजेक का खतरा बढ़ने की चिंता है। किसानों ने बारिश से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराने और मुआवजा दिलाने की मांग की है। सीजन के आखिरी दिनों में हुई बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है।

जिले में अब तक 34.4 इंच औसत बारिश: बारिश के इस सीजन में जिले की सामान्य बारिश का कोटा अभी पूरा नहीं हुआ है। अब तक जिले में सामान्य 48.4 इंच के मुकाबले 34.4 इंच औसत बारिश हुई है। जबकि पिछले साल 21 सितंबर तक 44.2 इंच औसत बारिश हो चुकी थी। सामान्य बारिश का कोटा पूरा करने के लिए अभी करीब 13 इंच औसत बारिश की जरूरत है।

नर्मदापुरम में 70साल की बुजुर्ग से सोने के झुमके-लौंग छीने घर में अकेले रहती थी, आंगन में घायल मिली



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के जमुनिया गांव में 70 साल की बुजुर्ग के साथ लूट का मामला सामने आया है। लूटेरों ने उसके कान और नाक में पहनी सोने की लौंग और झुमके खींचकर निकाल लिए। अगले दिन सुबह वह घर के आंगन में घायल हालत में मिली। घटना 18-19 सितंबर की दरम्यानी रात की है। बुजुर्ग को नर्मदापुरम के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घर में अकेली रहती थी बुजुर्ग: बुजुर्ग की पहचान शारदा बाई पति कौरथ पटेल (70) निवासी जमुनिया के रूप में हुई है। वह घर में अकेली रहती है। उसका बेटा गांव में ही दूसरी जगह रहता है। शनिवार सुबह पड़ोसियों ने शारदा बाई को आंगन में पड़ा देखा। वह बेहोश थी। उसके कान और नाक से खून निकल रहा था। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सेमरी हरदद चौकी प्रभारी विवेक यादव, सोहागपुर एसडीओपी अरविंद शाह और थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी मौके पर पहुंचे।

एफएसएल और डॉग स्कॉड की टीम जांच के लिए पहुंची: घटना की जांच के लिए सोहागपुर थाना पुलिस के साथ एफएसएल, डॉग स्कॉड, फिनर प्रिंट और साइबर सेल की टीम भी मौके पर पहुंची। सोहागपुर पुलिस तीन दिन से आरोपियों की तलाश कर रही है। अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

शासकीय ITI में 22 सितंबर तक एडमिशन का मौका

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। अगर आप रतलाम जिले के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (ITI) में एडमिशन चाहते हैं तो 22 सितंबर तक का समय है। जिले के युवाओं को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश का अवसर दिया जा रहा है। रिक्त सीटों पर 'प्रथम आओ, प्रथम पाओ' के आधार पर 22 सितंबर तक प्रवेश दिया जाएगा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रतलाम प्रिंसिपल ने बताया वर्तमान में शासकीय आईटीआई सैलाना में वेल्डर की 24 सीटें, शासकीय आईटीआई बाजना में फिटर की 05, मैकेनिक डीजल की 02, Sewing Technology की 08

अफीम और डोडाचूरा के साथ तीन तरकर गिरफ्तार

● मंदसौर में 1 किलो अफीम और 20 किलो डोडाचूरा पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में पुलिस ने नशे के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दलोदा पुलिस ने 19 वर्षीय युवक को 1 किलो अफीम के साथ पकड़ा। इसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। वहीं, सुवासरा पुलिस ने बोलेरो से 20 किलो पिसा हुआ डोडाचूरा जब्त कर एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों मामलों में आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब इनके सप्लाय नेटवर्क और नशीले पदार्थों के स्रोत की जानकारी जुटा रही है।

हाईवे किनारे खड़ा था युवक, पुलिस को देखकर भागा: दलोदा थाना पुलिस को रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी। बताया गया कि दलोदा रेल गांव में महु-नीमच हाईवे किनारे एक युवक शर्ट के अंदर अफीम छिपाकर खड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो मुखबिर के बताए हुलिए का युवक दिखाई दिया। पुलिस को



देखते ही वह भागने लगा। जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। उसने अपना नाम मोहित प्रजापत (19) बताया। वह गांधीग्राम, नाहरगढ़

➡ शर्ट के अंदर प्लास्टिक की थैली में थी अफीम

तलाशी के दौरान मोहित की शर्ट के अंदर प्लास्टिक की थैली मिली। इसमें 1 किलो अफीम रखी थी। पुलिस के मुताबिक, इसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए है। उसके पास से करीब 1.10 लाख रुपए कीमत का आईफोन भी मिला। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप डांगी के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि अफीम कहाँ से आई थी और इसे किसे देना था।

➡ बोलेरो के ट्रॉली बैग में मिला डोडाचूरा

दूसरी कार्रवाई सुवासरा पुलिस ने तक्तपुरा-अजयपुर के बीच आम रोड पर की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बोलेरो स्कू 4 ब्रु 2063 को रोका। तलाशी में ट्रॉली बैग से 20 किलो पिसा हुआ अवैध डोडाचूरा मिला। इसकी कीमत करीब 1.28 लाख रुपए बताई गई है। मौके से शिवसिंह गुर्जर निवासी कान्हाखेड़ा और वैशाली उर्फ आरती चौहान निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया।

➡ बोलेरो और मोबाइल भी जब्त:

पुलिस ने डोडाचूरा के साथ 12 लाख रुपए कीमत की बोलेरो जब्त की है। दोनों आरोपियों के दो एंड्रॉयड मोबाइल भी मिले हैं। इनकी कीमत करीब 40 हजार रुपए बताई गई है। सुवासरा पुलिस ने अपराध क्रमांक 278/26 में धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस अब उनसे तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

बुजुर्ग को टक्कर मारकर भागा बुलेट सवार

छतरपुर में लोगों ने 75 साल की महिला को अस्पताल छोड़ा, उपचार के लिए मर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छछतरपुर शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक हादसा हुआ। पुराने स्टेट बैंक और पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास तेज रफ्तार बुलेट सवार दो युवकों ने एक 75 साल की बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी। महिला कले लेकर घर जा रही थी।

टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके शरीर पर कई जगह चोटें आईं और काफी खून बहने लगा। हादसे के बाद बुलेट सवार मौके से भाग गए। यह घटना रविवार दोपहर की है। महिला को सड़क पर खून से लथपथ देखकर राहगीरों ने तुरंत मदद की। प्रशांत गुप्ता और ई-रिक्षा चालक अमित दुबे ने एंबुलेंस का इंतजार नहीं किया। वे तुरंत महिला को ई-रिक्षा से जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में गाई और स्टाफ की मदद से महिला को इमरजेंसी वार्ड और ऑपरेशन



थिएटर तक पहुंचाया गया। शुरुआती इलाज के बाद उसे महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया है। मददगार प्रशांत गुप्ता और ई-

रही बुजुर्ग महिला को टक्कर मारी और तेजी से भाग गए। लोगों ने उन्हें भागते हुए देखा था। हालांकि, महिला की हालत गंभीर होने के कारण मदद करने वालों ने बाइक सवारों का पीछा करने के बजाय पहले उसे अस्पताल पहुंचाना ज्यादा जरूरी समझा। घायल महिला हादसे के बाद कुछ भी बोल नहीं पा रही है। वह अपना पता भी नहीं बता पा रही है। इस वजह से देर तक उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आसपास के इलाके में महिला की पहचान कराने की कोशिशें शुरू कर दी हैं।

घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है। प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी ली जा रही है ताकि बाइक सवारों की पहचान हो सके। पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किशतों पर बोलेरो पिकअप खरीदी फिर पार्ट्स बेचे

खंडवा में 5 इंजन बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार, लोडिंग ऑटो को घेराबंदी कर पकड़ा



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में फाइनैस की गाड़ियां खरीदने के बाद उनकी किस्तें जमा नहीं कर पार्ट्स अलग-अलग लोगो को बेचने के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही से बोलेरो पिकअप के 5 इंजन बरामद किए हैं। इंजनों के परिवहन में इस्तेमाल लोडिंग ऑटो भी जब्त किया गया है।

कोतवाली टीआई प्रवीण आर्य ने बताया कि रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी के वाहन इंजनों को लोडिंग ऑटो में रखकर बेचने के लिए ले जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने लोहारी नाका पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक लोडिंग ऑटो को रोककर तलाशी ली गई। उसमें दो युवक बैठे मिले।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अमान पिता अल्लाफ चौहान (24), निवासी गुलमोहर कॉलोनी, खंडवा और लौफक पिता जावेद शेख (22), निवासी सलूजा कॉलोनी, खंडवा बताए।

ऑटो में मिले 3 इंजन, दस्तावेज नहीं थे: पुलिस ने ऑटो की तलाशी ली तो उसमें बोलेरो पिकअप के 3 इंजन मिले। पुलिस ने आरोपियों से इंजनों के दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर बोलेरो पिकअप के दो अन्य इंजन भी बरामद किए गए। पुलिस ने कुल 5 इंजन जब्त किए हैं।

सेकंड-थर्ड ओनर से खरीदते थे फाइनैस की गाड़ियां: पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों के काम करने का तरीका

सामने आया। आरोपी फाइनैस की गाड़ियां सेकंडया थर्ड ओनर से खरीदते थे। इसके बाद फाइनैस कंपनी की राशि जमा नहीं करते थे। वाहनों के पार्ट्स अलग कर उन्हें अलग-अलग लोगों को बेच देते थे।पुलिस अब बरामद इंजनों के वाहनों की जानकारी जुटा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इंजन कहाँ से हासिल किए गए थे। मामले में जुड़े अन्य आरोपियों और खरीदारों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

BNS की धाराओं में केस, जांच जारी: पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 35(1)(4), 106(1) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने इस तरह कितने वाहनों के पार्ट्स बेचे हैं और मामले में और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

17 साल के युवक की करंट से मौत

रतलाम में छत पर हाई टेंशन लाइन की चपेट में आया, नीमच से मामा के घर आया था

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के गांधीनगर में शनिवार रात छत पर खाना खाने के बाद टहल रहे 17 साल के युवक की करंट लगने से मौत हो गई। युवक छत के पास से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। शोर सुनकर परिजन और पड़ोसी छत पर पहुंचे। युवक बेसुध पड़ा था। परिजन उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।



मामी के बेटी होने पर रतलाम आया था: मृतक की पहचान युवराज सिंह पिता शैलेंद्र सिंह रावैड़ के रूप में हुई है। वह नीमच के पास बड़ी सादड़ी का रहने वाला था। युवक अपनी मां, मामा और अन्य परिजनों के साथ रतलाम आया था। उसकी मामी को शुक्रवार को बेटी हुई थी। परिवार बेटी को देखने के लिए आया था।

डिफाइब्रिलेटर लगाने के लिए कहा। डॉक्टरों ने बताया कि ईसीजी में कोई गतिविधि नहीं थी, इसलिए मशीन लगाने से कोई फायदा नहीं होगा।

मामी के बेटी होने पर रतलाम आया था: मृतक की पहचान युवराज सिंह पिता शैलेंद्र सिंह रावैड़ के रूप में हुई है। वह नीमच के पास बड़ी सादड़ी का रहने वाला था। युवक अपनी मां, मामा और अन्य परिजनों के साथ रतलाम आया था। उसकी मामी को शुक्रवार को बेटी हुई थी। परिवार बेटी को देखने के लिए आया था।

मौसेरे भाई के साथ छत पर गया था: हादसा रात करीब 10 से 10.30 बजे के बीच हुआ। युवराज खाना खाने के बाद अपने छोटे मौसेरे भाई के साथ छत पर गया था। इसी दौरान वह घर के पास से गुजर रही 11 केवी लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह छत पर गिर गया। छोटा भाई उस समय कुछ दूरी पर था। उसने शोर मचाया तो घर वाले छत पर पहुंचे और युवराज को अस्पताल ले गए। परिजनों ने डॉक्टरों से

पहले भी शिकायत में किसी घटना की स्थिति में विद्युत विभाग को जिम्मेदार बताया गया था। हादसे के बाद रहवासियों में भी MPEB के खिलाफ नाराजगी है।

घर में खुशियां मातम में बदली: युवक के शव का रविवार सुबह पोस्टमार्टम हुआ। दोपहर में परिजन शव लेकर बड़ी सादड़ी के लिए निकले। बेटी होने की खुशी में घर में इस दर्दनाक हादसे से मातम छा गया। लड़की होने के बाद रविवार को युवक की मामी की हॉस्पिटल से छुट्टी होने वाली थी।

पाषंद का आरोप एमपीईबी की लापरवाही से हादसा: पाषंद भावना हिंसे पैमाने ने बताया कि वार्ड 1 के गांधीनगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर क्षेत्र में चांदमारी से लेकर मीराकुटी तक हाई टेंशन 11kV लाइन जो कि घरों से लगी हुई है। लाइन हटाने को लेकर कई बार एमपीईबी को पत्राचार किया है। सीएम हेल्थलाइन में भी शिकायत की है। संबंधित विभाग के अधिकारी केवल आश्वासन देते रहे और आज यह बड़ी घटना हो गई।

पाषंद ने MPEB पर लापरवाही का आरोप लगाया: पाषंद भावना हिंसे पैमाने ने आरोप लगाया कि वार्ड-1 के गांधीनगर में राधाकृष्ण मंदिर क्षेत्र से चांदमारी होते हुए मीराकुटी तक 11 केवी हाईटेंशन लाइन घरों के पास से गुजर रही है। लाइन हटाने के लिए MPEB को कई बार पत्र दिए गए। सीएम हेल्थलाइन पर भी शिकायत की गई थी। पाषंद के मुताबिक, शिकायतों के बाद भी केवल आश्वासन मिले। उन्होंने कहा कि

पाषंद का आरोप एमपीईबी की लापरवाही से हादसा: पाषंद भावना हिंसे पैमाने ने बताया कि वार्ड 1 के गांधीनगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर क्षेत्र में चांदमारी से लेकर मीराकुटी तक हाई टेंशन 11kV लाइन जो कि घरों से लगी हुई है। लाइन हटाने को लेकर कई बार एमपीईबी को पत्राचार किया है। सीएम हेल्थलाइन में भी शिकायत की है। संबंधित विभाग के अधिकारी केवल आश्वासन देते रहे और आज यह बड़ी घटना हो गई।

पूर्व में शिकायत में अधिकारियों को बताया था कि अगर कोई घटना होती है तो उसका जिम्मेदार विद्युत मंडल होगा। इस हादसे के बाद से एमपीईबी के खिलाफ रहवासियों में भी आक्रोश है।

खंडवा के टिटगांव-खड़करी में वन अमले ने दबिश दी

टिटगांव-खड़करी में मकानों और खेतों से इमारती लकड़ी जब्त, सगौन भी बरामद

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में वन विभाग ने सोमवार सुबह लकड़ी तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की। खंडवा रेंज की संयुक्त टीम ने सुबह करीब 6 बजे टिटगांव और खड़करी गांव में अलग-अलग जगहों पर दबिश दी। टीम ने कई मकानों और उनके पीछे के स्थानों से बड़ी मात्रा में इमारती लकड़ी जब्त की। खेतों में भी सर्चिंग के दौरान फसलों के बीच लकड़ी मिली।

टिटगांव के बाद खड़करी में भी मिली लकड़ी: वन विभाग की टीम सबसे पहले टिटगांव पहुंची। यहां मकानों और उनके पीछे रखी लकड़ी की जांच की गई। इसके बाद टीम टिटगांव से करीब एक किलोमीटर दूर खड़करी गांव पहुंची। यहां भी कुछ मकानों के पीछे बड़ी मात्रा में इमारती लकड़ी रखी मिली। टीम ने इसे जब्त कर लिया।

सागौन समेत दूसरी इमारती लकड़ी मिली: प्रारंभिक जांच में जब्त लकड़ी में सागौन समेत अन्य इमारती प्रजातियों की लकड़ी मिली है। वन विभाग को आशंका है कि लकड़ी का चिरान कर फर्नीचर और दूसरे कामों में इस्तेमाल किया जाता था।

हालांकि, लकड़ी की पूरी मात्रा, प्रजाति और उसकी वैधता से जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी।



➡ लकड़ी कहाँ से आई, इसकी जांच की जा रही

अब वन विभाग लकड़ी के स्रोत का पता लगा रहा है। टीम यह भी जांच कर रही है कि लकड़ी कहाँ से लाई गई, किसने इसे रखा और क्या इसे बिना वैध अनुमति के चिरान या बिक्की के लिए रखा गया था। रेंजर शंकरसिंह चौहान के अनुसार, लकड़ी से जुड़े दस्तावेजों और मौके से मिले तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच में लकड़ी अवैध रूप से काटकर या परिवहन कर लाए जाने की पुष्टि होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ वन एक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

➡ टिटगांव में पहले भी हो चुकी है कार्रवाई:

टिटगांव क्षेत्र में पहले भी वन विभाग लकड़ी से जुड़े मामलों में कार्रवाई कर चुका है। अलग-अलग समय पर यहां बड़ी मात्रा में लकड़ी जब्त किए जाने के मामले सामने आए हैं। सोमवार की कार्रवाई में खेतों में भी लकड़ी मिलने के बाद वन विभाग जांच कर रहा है।

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अख्यर

सानो (जापान) ,एजेसी। भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अख्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अख्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया। कप्तान अख्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि

बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।' अख्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमों अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा।' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा। यहां की

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शूटर्स का दमदार प्रदर्शन जारी, हिमांशु ने सिल्वर और रुद्राक्ष ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया ,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत ने दो पदक हासिल किए। एक कड़े मुकाबले के बाद हिमांशु डिल्लों ने सिल्वर मेडल और रुद्राक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हिमांशु ने कुल 252.4 प्वाइंट्स अर्जित किए और वह दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रुद्राक्ष 230.9 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन शेण लिंगओ ने 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता और सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया। आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भारतीय जोड़ी शुरू से ही मेडल की दौड़ में बनी हुई थी, जिसमें रुद्राक्ष ने बहुत अच्छी शुरुआत की। शुरुआती 10 शॉट्स के बाद वह 106.0 प्वाइंट्स के साथ सबसे आगे थे, उनके बाद शेण 104.9 प्वाइंट्स और हिमांशु 104.8 प्वाइंट्स के साथ थे। एलिमिनेशन राउंड शुरू होने पर भी भारतीय खिलाड़ी टॉप दो स्थानों पर काबिज रहे। रुद्राक्ष आगे बने रहे, जबकि हिमांशु ने लगातार अच्छे स्कोर किए, जिसमें लगातार 10.9 प्वाइंट्स के स्कोर भी शामिल थे, जिससे वह दूसरे स्थान पर आ गए। शेण ने जैसे-जैसे अंतर कम किया, बहुत बार-बार बदलती रही। दूसरे एलिमिनेशन के बाद भी रुद्राक्ष टॉप पर थे और हिमांशु तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरकार चीनी शूटर पहले स्थान पर आने में सफल रहा।

जब मुकाबले में सिर्फ चार शूटर बचे थे, तब मंगोलिया के बयारा यून्यट के बाहर होने के साथ ही भारत का डबल पोज़ियम स्थान पक्का हो गया। उस समय चीन के शेण 211.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे, जबकि भारत के रुद्राक्ष 210.6 और हिमांशु 210.0 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान



पर चल रहे थे। इससे भारत के दो पदक सुनिश्चित हो गए। शेण ने आखिरी शॉट में 10.6 का स्कोर करके गोल्ड मेडल पक्का किया और 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड के साथ मुकाबला खत्म किया। हिमांशु, जिन्होंने अपने दूसरे आखिरी शॉट से शेण की बढ़त को 1.8 प्वाइंट तक कम कर दिया था, 252.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रुद्राक्ष ने कुल 230.9 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीता।

भारत को मिला तीसरा मेडल, पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता सिल्वर; तीनों पदक शूटिंग के नाम



नागोया (जापान) ,एजेसी। 20वें एशियाई खेलों के तीसरे दिन भारत की झोली में तीसरा पदक आया है। भारत की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम ने सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए देश के लिए सिल्वर मेडल (शूटिंग) हासिल किया। इस स्पर्धा में भारत के तीनों पदक अब तक निशानेबाजी (शूटिंग) रैंज से ही आए हैं। पार्थ राकेश माने, पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और युवा प्रतिभा हिमांशु डिल्लों की भारतीय निमूर्ति ने कुल 1890.1 अंक जुटाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन 1899.9 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा और स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की टीम तीसरे स्थान पर रहकर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। रुद्राक्ष और हिमांशु इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचे टीम स्पर्धा में रजत जीतने के साथ ही रुद्राक्ष पाटिल और हिमांशु डिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल के व्यक्तिगत (इंडिविजुअल) फाइनल में भी अपनी जगह पक्की कर ली है: रुद्राक्ष पाटिल: क्वालिफिकेशन में 631.8 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। हिमांशु डिल्लों: 630.0 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे। पार्थ राकेश माने: 628.3 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहे और व्यक्तिगत फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए।

सिल्वर विजेता तिकड़ी का परिचय: रुद्राक्ष पाटिल (गुगु, महाराष्ट्र): 2022 काहिरा वर्ल्ड चैंपियनशिप में व्यक्तिगत व टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाले रुद्राक्ष, अभिनव बिंद्रा के बाद

नागोया ,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में हिमांशु डिल्लों, पार्थ माने और रुद्राक्ष पाटिल की भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस मेडल के साथ ही भारत की एशियन गेम्स में कुल मेडल की संख्या अब 3 हो गई है। रुद्राक्ष ने 60-शॉट क्वालिफिकेशन में 631.8 का शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि हिमांशु ने 630 के स्कोर के साथ सातवां और पार्थ ने 628.3 के स्कोर के साथ कुल 1890.1 अंक हासिल किए। 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में यह रुद्राक्ष का दूसरा एशियाई खेल पदक था। इससे पहले उन्होंने हांगजो में हुए एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीता था। चीन ने 1899.0 के विश्व-रिकॉर्ड स्कोर



के साथ गोल्ड मेडल जीता और साउथ कोरिया ने 1884.2 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसके अलावा, रुद्राक्ष क्वालिफिकेशन में तीसरे और हिमांशु सातवें स्थान पर रहे। क्वालिफिकेशन में शीर्ष-आठ में जगह बनाने के बाद दोनों ने व्यक्तिगत फाइनल के लिए

व्यक्तिगत एशियाई खेल पदक था। उन्होंने जकार्ता 2018 में एक टिनएजर के तौर पर हिस्सा लिया था, लेकिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में नहीं पहुंच पाई थीं। इलावेनिल के नाम 253.6 का एशियाई रिकॉर्ड भी है, जो उन्होंने पिछले साल श्यमकेट में एशियाई चैंपियनशिप जीतने के दौरान बनाया था। उन्होंने नई दिल्ली में एशियाई चैंपियनशिप 2026 में सफलतापूर्वक अपना महाद्वीपीय खिताब बरकरार रखा। भारत ने अब तक तीन सिल्वर मेडल जीते हैं, और ये सभी शूटिंग खेल में प्राप्त हुए हैं। चीन के हांगजो में हुए एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में, भारतीय शूटर्स ने 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे, जो कुल मिलाकर 22 पदकों की एक अभूतपूर्व उपलब्धि थी।

एशियन गेम्स 2026: टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से धोया, सुतीर्था-सिंद्वा और श्रीजा की तिकड़ी ने किया कमाल

नागोया ,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टेबल टेनिस टीम ने धमाकेदार जीत के साथ की है। सुतीर्था मुखर्जी, सिंद्वा दास और श्रीजा अकुला की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा। सुतीर्था मुखर्जी ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इस दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ी अलीना सुतीर्था के सामने पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आई। सुतीर्था पूरे मैच में हावी रहीं और उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सुतीर्था ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहले गेम को 11-3 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सुतीर्था का दबदबा देखने को मिला और उन्होंने यह गेम 11-3 से जीता। तीसरे गेम को 11-4 से जीतने के साथ ही सुतीर्था ने मैच को अपने नाम करते भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे मुकाबले में सिंद्वा दास ने दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय युवा खिलाड़ी सिंद्वा ने पाकिस्तान की कुलसूम् खान के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और उन्हें आसानी से 11-6, 11-7, 11-5 से शिकस्त देते हुए भारत को मुकाबले में 2-0 की बढ़त दिलाई। सिंद्वा के आगे कुलसूम् की एक नहीं चल सकी और वह बुरी तरह से संघर्ष करती दिखाई दीं। तीसरे मैच को जीतकर श्रीजा अकुला ने भारत की जीत पर मुहर लगाई। श्रीजा पाकिस्तान की खिलाड़ी फातिमा खान के खिलाफ पूरे मैच में हावी नजर आई और उन्होंने मैच को 11-4, 11-4 और 11-5 से अपने नाम किया।



गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी, संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैथर्स को 9 रनों से हराया

कटक ,एजेसी। संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शान्तु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शान्तु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिनव सिंह कटक पैथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कटक पैथर्स ने

शुरुआती ओवरों में ही दो विकेट गंवा दिए। पावरप्ले के दौरान उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, क्योंकि पहले छह ओवरों में ही पैथर्स के चार बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। इसके बाद एमजी गोपाल और कार्तिक बिस्वाल ने मिलकर टीम की पारी को संभालने का प्रयास किया। गोपाल ने एक छोर संभाले रखा, जबकि कार्तिक ने आक्रामक रुख अपनाया और बाराबती स्टेडियम में वॉरियर्स के गेंदबाजों पर अटक किया। कार्तिक की 28 गेंदों में 56 रनों की दमदार पारी खेली और पैथर्स को मैच में बनाए रखा। हालांकि, कार्तिक का विकेट मैच का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। गोपाल दूसरे छोर पर संघर्ष करते रहे, लेकिन कटक पैथर्स ने लगातार विकेट गंवाए और टीम 9 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। गौरव चौधरी को मैच जिताऊ पारी खेलने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अपने प्रदर्शन और टीम की जीत के साथ हुई शुरुआत पर बात करते हुए गौरव चौधरी ने कहा कि उन्हें पहले मैच में अहम योगदान देकर खुशी हुई। चौधरी ने कहा, 'टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ करना बहुत अच्छा लगता है। एक टीम के तौर पर हम सकारात्मक शुरुआत करना



चाहते थे और मुझे खुशी है कि मैं बल्ले से योगदान दे सका। शान्तु के साथ हुई पार्टनरशिप ने हमें एक मजबूत आधार दिया और हम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाए। कुछ ऐसी चीजें हैं जिनमें हम सुधार कर सकते हैं, लेकिन पहली जीत से आत्मविश्वास मिला है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया



नागोया ,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशु मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशु रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए।

खैरागढ़ विश्वविद्यालय के कलाकारों ने चक्रधर समारोह में सजाया शास्त्रीय नृत्य का मंच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ में आयोजित 41वें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की सातवीं सांस्कृतिक संध्या में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के नृत्य संकाय के विद्यार्थियों ने ओडिसी, भरतनाट्यम और कथक की मनोहारी प्रस्तुतियों से मंच को शास्त्रीय नृत्य के विविध रंगों से सजा दिया। भाव, लय, ताल और नृत्य मुद्राओं के सुंदर समन्वय ने समारोह में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत ओडिसी नृत्य विभाग के विद्यार्थियों की 'गणेश वंदना' से हुई। 'एकदन्तो लम्बोदरो विघ्नविनाशको देवः' की भावपूर्ण प्रस्तुति में जया निर्मलकर, सुधा योजन, प्रज्ञा प्रसाद, मीरा वर्मा, दुर्गा प्रसाद, लीना धनकर और रिकी टुडू ने नृत्य मुद्राओं के माध्यम से भगवान गणेश की आराधना को जीवंत किया। प्रस्तुति का नृत्य निर्देशन सुशांत कुमार दास ने किया। इसके बाद भरतनाट्यम विभाग के विद्यार्थियों ने 'नृत्यांजलि' प्रस्तुत कर शास्त्रीय नृत्य की



भाव-भंगिमाओं और लयकारी का मनोहारी प्रदर्शन किया। लावण्या आनंद द्वारा रचित इस प्रस्तुति का नृत्य संयोजन डॉ. मेदिनी होम्बल एवं होरिल गौर ने किया। प्रस्तुति में होरिल गौर, प्रीति चौधरी, खुशबू भुमिज, अनुकृति सिंह, अविन जैन, अर्दित शर्मा, अंजलि चौहान और यमिनी निषाद ने सहभागिता की। 'भारत के रंग' में दिखाई

सांस्कृतिक विविधता संध्या की प्रमुख प्रस्तुतियों में 'भारत के रंग' ने विशेष आकर्षण पैदा किया। भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों के माध्यम से 'वंदे मातरम्' की भावभूमि, अनुकृति सिंह, अविन जैन, अर्दित शर्मा, अंजलि चौहान और यमिनी निषाद ने सहभागिता की। 'भारत के रंग' में दिखाई

विविधता की सुंदर झलक प्रस्तुत हुई। इसका नृत्य निर्देशन सुशांत कुमार दास तथा सह-निर्देशन होरिल गौर ने किया। शिव वंदना में दिखा कथक का आध्यात्मिक सौंदर्य कार्यक्रम के अगले क्रम में कथक विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने स्वर्गीय पं. बिरजू महाराज द्वारा राग हंसध्वनि और तीनताल में रचित "'निरत शंकर पार्वती संग'" पर आधारित शिव वंदना प्रस्तुत की। कथक की लयकारी, पद संचालन और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य स्वरूप को मंच पर साकार किया गया। खैरागढ़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की इन प्रस्तुतियों ने चक्रधर समारोह की सातवीं सांस्कृतिक संध्या को शास्त्रीय नृत्य की विविधता और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के रंगों से समृद्ध किया। विद्यार्थियों की साधना, प्रस्तुति और सामूहिक समन्वय ने समारोह के मंच पर शास्त्रीय कलाओं की जीवंत परंपरा को प्रभावी ढंग से सामने रखा।



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ जिले में आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की सातवीं सांस्कृतिक संध्या में युवा कथक नृत्यांगना कुमारी अश्विका साव ने लखनऊ घराने की कथक शैली में मनोहारी एकल प्रस्तुति दी। भगवान शिव को समर्पित शिव वंदना में उन्होंने भाव, लय,

तत्कार और नृत्य मुद्राओं के माध्यम से शंभू, शंकर, भोलेनाथ, नीलकंठ एवं नटराज स्वरूप की सुंदर अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने तालियों से सराहा। डीपीएस एनटीपीसी कोरबा की छात्रा अश्विका साव गुरु रंजीत नायक के मार्गदर्शन में कथक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। लखनऊ घराने की

नजाकत, नफासत, भावपूर्ण अभिनय, सटीक लयकारी और आकर्षक चक्करों ने उनकी प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया।

अश्विका थाईलैंड, दुबई और मलेशिया में भी कथक की प्रस्तुतियां दे चुकी हैं। इसके अलावा पाली महोत्सव, रामगढ़ महोत्सव, मैनपाट महोत्सव, सिरपुर महोत्सव, छत्तीसगढ़ राज्योत्सव, ओडिशा फेस्टिवल और चक्र धर समारोह में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें 2026 में 'नृत्य उदित सम्मान' एवं 'चेतना नृत्य शिरोमणि सम्मान' तथा 2025 में 'भारतीय नृत्य कला पुरस्कार' और 'छत्तीसगढ़ गौरव रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया है। उनकी प्रस्तुति ने चक्रधर समारोह के मंच पर युवा प्रतिभा और शास्त्रीय कथक की सुंदर छटा बिखेरी।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प से मिली नई भिंदगी, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना बनी राजेन्द्र प्रसाद का सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान की भावना तब सार्थक होती है, जब जरूरत के समय शासन की संवेदनशील पहल किसी व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद बनकर पहुंचे। बलरामपुर जिला के ग्राम पस्ता निवासी 63 वर्षीय राजेन्द्र प्रसाद की कहानी इसका उदाहरण है। छोटी जेत के किसान राजेन्द्र प्रसाद को फरवरी 2026 में तेज कमर दर्द की शिकायत हुई। अम्बिकापुर में उपचार के बाद भी राहत नहीं मिलने पर परिजन उन्हें रायपुर के बालकी हॉस्पिटल ले गए। जांच में मल्टीपल मायलोमा नामक कैंसर की पुष्टि हुई। लगभग 15 लाख रुपये के उपचार का खर्च सुनकर परिवार के सामने बड़ी आर्थिक चुनौती खड़ी हो गई। ऐसे समय में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना उनके लिए सहारा बनी। योजना के अंतर्गत सहायता मिलने से बालकी हॉस्पिटल में उनका उपचार शुरू हुआ और लगभग 15 लाख रुपये का पूरा उपचार निःशुल्क हुआ। परिवार को अपनी जेब से एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ा। उपचार के बाद राजेन्द्र प्रसाद स्वस्थ होकर अपने गांव लौट आए हैं। उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना ने उन्हें उपचार के साथ परिवार को बड़े आर्थिक संकट और कर्ज से भी बचाया।

वेदों के आध्यात्मिक दर्शन को ओडिसी नृत्य में साकार किया गुरु रीला होता एवं समूह ने

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ में आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की छठवीं सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना एवं गुरु रीला होता एवं समूह ने 'एकोऽहम् बहुस्याम्' की भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया। नृत्य, संगीत और भाव-अभिव्यक्ति के सुंदर समन्वय से सजी इस प्रस्तुति में वैदिक ज्ञान, भारतीय जीवन-दर्शन और आध्यात्मिक चेतना को प्रभावी ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का आरंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसमें अग्नि, जल और परमात्मा को समर्पित पावन स्तुति के माध्यम से सृष्टि के मूल तत्वों और दिव्य चेतना का भाव प्रस्तुत किया गया। इसके बाद गृहस्थ आश्रम के माध्यम से पारिवारिक जीवन, नारी सम्मान और सामाजिक सामंजस्य की अवधारणा को नृत्य के जरिए अभिव्यक्त किया गया। प्रस्तुति के अंतिम चरण में संन्यास एवं मोक्ष के माध्यम से जीवात्मा और परमात्मा के एकाकार होने की आध्यात्मिक यात्रा को साकार किया गया। 'एकोऽहम् बहुस्याम्' अर्थात् 'मैं एक हूं और अनेक रूपों में व्यक्त हूं' के वैदिक भाव ने पूरी प्रस्तुति को विशेष आध्यात्मिक गहराई प्रदान की। गुरु रीला होता ने आठ वर्ष की आयु से योग और ओडिसी का प्रशिक्षण प्रारंभ किया। वे 'रेज ऑफ विजडम सोसाइटी' की संस्थापक निदेशक हैं और ओडिसी नृत्य के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्हें संस्कृति मंत्रालय की वरिष्ठ फेलोशिप सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। प्रस्तुति की अवधारणा, आलेख एवं नृत्य-रचना गुरु विजयलक्ष्मी होता की रही, जबकि संगीत में पद्म विभूषण पंडित राजन-साजन मिश्र एवं स्वरांश मिश्र का योगदान रहा।

ओडिसी की शास्त्रीय छटा में सजी गौरीशंकर दाश की भावपूर्ण प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ जिले में आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की सांस्कृतिक संध्या में प्रख्यात ओडिसी कलाकार गौरीशंकर दाश ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लय, ताल, मुद्राओं और भावों के सुंदर समन्वय से सजी उनकी प्रस्तुति में ओडिसी नृत्य की शास्त्रीय गरिमा और मनोहारी सौंदर्य प्रभावी रूप से देखने को मिला। गौरीशंकर दाश ने अपनी कलात्मक यात्रा ओडिसी संगीत से शुरू की और पद्मभूषण गुरु केलुचरण महापात्र के सान्निध्य में ओडिसी नृत्य की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने ओडिसी संगीत, ओडिसी नृत्य और ओडिशा साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि हासिल की है। उनकी कला साधना को राज्य संगीत नाटक अकादमी युवा पुरस्कार, उस्ताद बिस्मिल्लाह खॉं युवा प्रतिभा पुरस्कार के लिए चयन तथा संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय वरिष्ठ छत्रवृत्ति एवं कनिष्ठ फेलोशिप जैसे सम्मानों से पहचान मिली है। वे आईसीसीआर के सूचीबद्ध तथा दूरदर्शन के अनुमोदित कलाकार भी हैं। गौरीशंकर दाश 'देवाशी डांस अकादमी फॉर



परफॉर्मिंग आर्ट्स', ढेंकानाल के संस्थापक एवं निदेशक हैं। वे विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य के संरक्षण और प्रसार में भी योगदान दे रहे हैं। चक्रधर समारोह में उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को ओडिसी की समृद्ध परंपरा और भाव-अभिव्यक्ति की खूबसूरती से रूबरू कराया।

सेवा संकल्प अभियान : किसान वृक्ष मित्र योजना से मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के किसानों को मिला आय का नया आधार



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा संचालित किसान वृक्ष मित्र योजना मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के मोहला वनमंडल में किसानों के लिए हरियाली के साथ-साथ अतिरिक्त आय का नया आधार बन सेवा और संकल्प की नई कहानी बयां कर रही है। योजना के तहत किसानों को उनकी निजी भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के पौधरोपण के लिए वन विभाग द्वारा संपूर्ण सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इससे किसानों पर किसी प्रकार का वित्तीय भार नहीं पड़ रहा है और वे अपनी भूमि पर वृक्षारोपण के माध्यम से भविष्य में अतिरिक्त आय का स्रोत तैयार कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में मोहला वनमंडल

में योजना के तहत 218 किसानों ने 188.04 एकड़ निजी भूमि पर कुल 1 लाख 14 हजार 220 पौधों का रोपण किया है। किसानों को पौधों के साथ खाद, कीटनाशक एवं आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन भी पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। वन विभाग द्वारा सभी रोपण स्थलों का बीट स्तर पर सत्यापन भी पूर्ण कर लिया गया है। किसान वृक्ष मित्र योजना का उद्देश्य किसानों की निजी भूमि पर वाणिज्यिक उपयोग वाली प्रजातियों का वृक्षारोपण करना तथा सहयोगी संस्थाओं एवं निजी कंपनियों के माध्यम से उत्पाद के बायबैक की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इससे किसानों को भविष्य में उनकी उपज का बाजार उपलब्ध कराने के साथ आय में वृद्धि के अवसर मिलते हैं। साथ ही काष्ठ एवं प्लाईवुड आधारित उद्योगों को बढ़ावा, रोजगार सृजन और शासन के राजस्व में वृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त होता है। क्लोन नीलगिरी किसानों की पहली पसंद योजना के तहत क्लोन नीलगिरी किसानों के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय प्रजाति के रूप में सामने आई है। इस वर्ष 120 किसानों ने 100 एकड़ में 90 हजार पौधे लगाए हैं। लगभग 900 पौधे प्रति एकड़ की घनता तथा 4 से 5 वर्ष में पेपर मिलों के लिए बायबैक की व्यवस्था के कारण किसानों का रझान इस प्रजाति की ओर बढ़ा है। कुल पौधरोपण में क्लोन नीलगिरी की हिस्सेदारी लगभग 78 प्रतिशत है। इसके अलावा 55 किसानों ने 26.60 एकड़ में 8 हजार साधारण बांस, 2 किसानों ने 1.56 एकड़ में 250 चंदन तथा 1 किसान ने 2 एकड़ में 1,500 मिलिया डुबिया (मालाबार नीम) के पौधे लगाए हैं।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य सेवा का संकल्प, जिला चिकित्सालय में लगा मेगा स्वास्थ्य शिविर

1013 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया परामर्श, आवश्यक दवाइयों का भी किया गया वितरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय गौरेला में विशेष मेगा स्वास्थ्य शिविर के आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक स्वास्थ्य जांच और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराकर समय पर उपचार सुनिश्चित करना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 1013 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों से संबंधित मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। मरीजों को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। विभिन्न रोगों के मरीजों को मिला विशेषज्ञ परामर्श शिविर में हृदय रोग से संबंधित 44 मरीजों, किडनी रोग के 20 मरीजों, शिशु रोग के 128 मरीजों, स्त्री रोग के 11 मरीजों, मेडिटेशन से संबंधित 300 मरीजों, हड्डी रोग के 74 मरीजों, नेत्र रोग के 150 मरीजों तथा टीबी से संबंधित 46 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके अलावा अन्य रोगों से संबंधित 240 मरीजों ने भी शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों



की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक जांच के बाद उन्हें उपचार एवं आगे की चिकित्सा सुविधा के संबंध में मार्गदर्शन दिया। शिविर में गर्भवती महिलाओं, बच्चों तथा गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। समय पर जांच और उपचार की

दिशा में महत्वपूर्ण पहलसेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह मेगा स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। शिविर के माध्यम से एक ही स्थान पर विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श मिलने से मरीजों को सुविधा मिली। साथ ही विभिन्न

बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर में आने वाले मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, जांच और दवा वितरण की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया। शिविर का उद्देश्य केवल तत्काल उपचार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और आवश्यकतानुसार आगे की चिकित्सा सुविधा से जोड़ना भी रहा। जनसेवा की भावना से आयोजित स्वास्थ्य शिविर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस शिविर ने जनसेवा की भावना को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ते हुए जरूरतमंद मरीजों को उपचार एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता से शिविर की उपयोगिता और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों के भरोसे को भी बल मिला। शिविर में मरवाही विधायक प्रणव कुमार मररचची, जिला पंचायत अध्यक्ष सु समीरा पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. देवेन्द्र सिंह पैकरा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने निज निवास, लखनपुर में आयोजित जनदर्शन के दौरान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से भेंट की। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं, आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक जानकारी लेकर उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। जनदर्शन में प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न व्यक्तितगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से मंत्री अग्रवाल को अवगत कराया। नागरिकों ने अपने क्षेत्रों से जुड़ी आवश्यकताओं और विकास संबंधी विषयों को भी उनके समक्ष रखा। मंत्री अग्रवाल ने प्रत्येक नागरिक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से समन्वय कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा, जनभागीदारी और समाज के विभिन्न वर्गों तक शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की पहुंच को और प्रभावी बनाना है। इसी भावना के अनुरूप जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के बीच सतत संवाद महत्वपूर्ण माध्यम है। जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को

कच्चे मकान की पेशानियों से स्थायी राहत मिली। अब परिवार अपने सुरक्षित और सुविधाजनक आशियाने में सुकून के साथ जीवन बिता रहा है। नए घर में प्रवेश के साथ परिवार ने भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की। मती मधु के लिए यह पल केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष के बाद मिली सुरक्षा, सम्मान और खुशियों की नई शुरुआत का प्रतीक बन गया। गणेश स्थापना के साथ परिवार ने अपने नए घर में सुख-समृद्धि की कामना की। मती मधु जायसवाल ने कहा कि पक्का घर उनके परिवार के लिए बहुत बड़ी खुशी है। वर्षों से जिस सुरक्षित आशियाने का सपना देखा था,



अपनी समस्याएं सीधे रखने और उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का अवसर मिल रहा है। अग्रवाल ने कहा कि जनसेवा के लिए नागरिकों से सीधा संवाद बेहद महत्वपूर्ण है। जनदर्शन के माध्यम से प्राप्त समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके नियमानुसार निराकरण की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों की अपेक्षाओं और सुझावों को सुनने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संवाद का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। निज निवास, लखनपुर में आयोजित जनदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। जनसुनवाई और जनसंवाद का यह क्रम नागरिकों की सुविधा के समाधान तथा प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक समन्वय को मजबूत करने की दिशा में जारी रहेगा।